सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

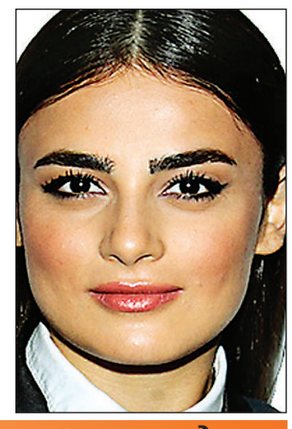

तुलसी के किन बीमारियों में असरदार है पेज: 7

ऑडिशन के व त लाइन में लगने से नहीं शमार्ती राधिका पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 64 | शुक्रवार 05 जून 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

ऑपरेशन शेरूवाली के तहत राजौरी के जंगलों में सेना का सबसे बड़ा ऑपरेशन और गहराया, एलओसी पर घिर गए आतंकी!

जम्मू-कश्मीर की सरजमीं पर आतंक के खिलाफ निर्णायक जंग अब अपने सबसे तेज और आक्रामक दौर में पहुंच चुकी है। राजौरी के घने जंगलों में पिछले तेरह दिनों से चल रहा विशाल संयुक्त अभियान ह्यशेरुवालीह्ल इस बात का साफ संकेत है कि अब सुरक्षा बल आतंक के हर अड्डे को जड़ से उखाड़ फेंकने के इरादे से मैदान में उतर चुके हैं। सेना, पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां मिलकर जिस तरह से सीमावर्ती इलाकों को घेरकर आतंकियों की तलाश में दिन रात जुटी हैं, उसने पाकिस्तान समर्थित आतंकी तंत्र की बेचैनी बढ़ा दी है। राजौरी के जंगलों में लगातार तलाशी अभियान चल रहा है और हर संदिग्ध गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा रही है। हम आपको बता दें कि यह कोई सामान्य अभियान नहीं, बल्कि सीमा पार से फैलाए जा रहे आतंक के खिलाफ भारत की निर्णायक रणनीति का हिस्सा है।

कांग्रेस के 'धोखे' से भड़की स्टालिन की डीएमके, इंडिया ब्लॉक की अहम बैठक से किया किनारा

नई दिल्ली एजेंसी: एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली डीएमके ने 8 जून को नई दिल्ली में होने वाली प्रस्तावित इंडिया ब्लॉक की बैठक से दूर रहने का फैसला किया है। यह तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के बाद हुए नाटकीय राजनीतिक बदलाव के मद्देनजर कांग्रेस के साथ डीएमके के संबंधों में आई दरार का संकेत है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब कांग्रेस ने डीएमके की लंबे समय से सहयोगी रही कांग्रेस के बावजूद अभिनेता विजय की टीवीके को तमिलनाडु में सरकार बनाने में समर्थन देने का निर्णय लिया। इस कदम से डीएमके नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और सार्वजनिक रूप से कांग्रेस पर विश्वासघात और पीठ में छुरा घोंपने का आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी ने राजनीतिक

स्वार्थ के लिए दशकों पुरानी साझेदारी को तोड़ दिया है। यह दरार संसद में भी दिखने लगी है। संबंधों में आई दरार का एक महत्वपूर्ण संकेत देते हुए, डीएमके सांसद कनिमोझी ने हाल ही में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर डीएमके सांसदों के लिए अलग बैठने की व्यवस्था की मांग की, जिसमें उन्होंने कांग्रेस से अलग होने के बाद बदली हुई राजनीतिक परिस्थितियों का हवाला दिया। इस कदम को व्यापक रूप से इंडिया ब्लॉक के भीतर दरार की पहली औपचारिक अभिव्यक्ति के रूप में देखा गया। विपक्षी इंडिया ब्लॉक के वरिष्ठ नेता 8 जून को राष्ट्रीय राजधानी में भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के खिलाफ अपनी संयुक्त रणनीति पर चर्चा करने और महत्वपूर्ण राजनीतिक मुकाबलों से पहले विपक्षी समन्वय को मजबूत करने के लिए बैठक करेंगे। संविधान क्लब में होने वाली इस बैठक में लगभग 15 विपक्षी दलों के प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है। यह बैठक हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में इंडिया ब्लॉक के दो प्रमुख घटक दलों, पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और तमिलनाडु में डीएमके की करारी हार के मद्देनजर हो रही है। इस बीच, पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल के महासचिव अभिषेक बनर्जी के इस महत्वपूर्ण विपक्षी बैठक में शामिल होने की संभावना है, जबकि पार्टी अभूतपूर्व आंतरिक उथल-पुथल से जूझ रही है और उसके अधिकांश विधायक नेतृत्व के खिलाफ बगावत कर रहे हैं। बनर्जी द्वारा टीएमसी नेताओं पर कथित हमलों का मुद्दा उठाने और इस मामले पर इंडिया ब्लॉक के घटक दलों से समर्थन मांगने की भी संभावना है। सूत्रों के अनुसार, बैठक में शामिल होने वाले अन्य नेताओं में शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खर्गे शामिल हैं। आम आदमी पार्टी पहले ही सार्वजनिक रूप से इंडिया ब्लॉक से खुद को अलग कर चुकी है और उसके बैठक में शामिल होने की उम्मीद नहीं है। सूत्रों के मुताबिक, इस बैठक को विभिन्न राज्यों में बदलते राजनीतिक समीकरणों और हालिया चुनावी हार के बाद गठबंधन के भीतर नई चिंताओं के बीच विपक्षी दलों के बीच समन्वय को मजबूत करने

जिसमें उन्होंने कांग्रेस से अलग होने के बाद बदली हुइ.....

संबंधों में आई दरार का एक महत्वपूर्ण संकेत देते हुए, डीएमके सांसद कनिमोझी ने हाल ही में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर डीएमके सांसदों के लिए अलग बैठने की व्यवस्था की मांग की, जिसमें उन्होंने कांग्रेस से अलग होने के बाद बदली हुई राजनीतिक परिस्थितियों का हवाला दिया।

पीएम मोदी गुजरात-दमन में करेंगे 21,700 करोड़ के मेगा परियोजनाओं का उद्घाटन, बदलेगा क्षेत्रीय विकास का नक्शा

नई दिल्ली एजेंसी: दमन में 5 जून को स्वच्छता के प्रति प्रतिबद्धता जताते हुए शहरव्यापी सफाई अभियान चलाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत किया जाएगा। प्रधानमंत्री दमन में लगभग 2,970 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे, उन्हें राष्ट्र को समर्पित करेंगे और आधारशिला रखेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 5 जून को गुजरात और केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव का दौरा करेंगे। इस दौरान वे बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य सेवा, कनेक्टिविटी, विमानन और उद्योग सहित प्रमुख क्षेत्रों में 21,700 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे, उन्हें राष्ट्र को समर्पित करेंगे और आधारशिला रखेंगे। प्रधानमंत्री सूरत से अपने दौरे की शुरूआत करेंगे,

जहां वे एक जनसभा में भाग लेने से पहले हजीरा में औद्योगिक कार्यों और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की समीक्षा करेंगे। वे गुजरात में सड़क संपर्क, बिजली बुनियादी ढांचे और औद्योगिक विकास को मजबूत करने के उद्देश्य से लगभग 18,800 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे, उन्हें राष्ट्र को समर्पित करेंगे और आधारशिला रखेंगे। प्रमुख परियोजनाओं में, प्रधानमंत्री मोदी वडोदरा-मुंबई एक्सप्रेसवे के पैकेज श्क और श्क्क को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इस एक्सप्रेसवे से उच्च गति परिवहन में वृद्धि, रसद दक्षता में सुधार और गुजरात और महाराष्ट्र के बीच आर्थिक संपर्क को मजबूत करने की उम्मीद है। वे राष्ट्रीय राजमार्ग-56 के प्रमुख खंडों के चार लेन के निर्माण की आधारशिला भी रखेंगे। इस परियोजना से आदिवासी क्षेत्रों में संपर्क बेहतर होने और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी तक पहुंच सुगम होने की उम्मीद है। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में, प्रधानमंत्री सूरत में 200 बिस्तरों वाले कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) अस्पताल का उद्घाटन करेंगे। यह अस्पताल कई विशिष्टताओं में माध्यमिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेगा और चौबीसों घंटे आपातकालीन और आघात संबंधी देखभाल उपलब्ध कराएगा। प्रधानमंत्री कई उपयोगिता और औद्योगिक अवसंरचना परियोजनाओं का भी उद्घाटन करेंगे, जिनमें अंतर-राज्यीय पारेषण प्रणाली के तहत पारेषण नेटवर्क विस्तार कार्य, वलसाड में बिजली वितरण उन्नयन, दहेज पेट्रोलियम, रसायन और पेट्रोकेमिकल निवेश क्षेत्र और सारिगाम जीआईडीसी में अपशिष्ट उपचार और निपटान अवसंरचना, साथ ही जंबूसर बल्क ड्रग पार्क में उपयोगिता सुविधाएं शामिल हैं।

ममता बनर्जी की टीएमसी में बगावत का बवंडर, करीबी मेयर कृष्ण चक्रवर्ती के इस्तीफे से संकट गहराया

बंगाल एजेंसी: पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को एक और राजनीतिक झटका लगा है, क्योंकि उनके करीबी माने जाने वाले कृष्णा चक्रवर्ती ने बिधाननगर नगर निगम के महापौर पद से इस्तीफा दे दिया है। यह इस्तीफा तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के भीतर गहरे संकट के दौर में आया है, जो एक बड़े आंतरिक विद्रोह और अभूतपूर्व विभाजन का सामना कर रही है। पार्टी ने अपने विधायकों के एक बड़े वर्ग का समर्थन खो दिया है, क्योंकि उसके 80 विधायकों में से 60 विधायक ऋतब्रता बनर्जी के नेतृत्व वाले बागी गुट का समर्थन कर रहे हैं। इस बागी गुट को विधानसभा अध्यक्ष से मान्यता मिल चुकी है। कृष्णा चक्रवर्ती ने इस्तीफा क्यों

दिया? मिली जानकारी के अनुसार, ममता बनर्जी के करीबी माने जाने वाले कृष्णा चक्रवर्ती ने महापौर पद से इस्तीफा देने के लिए व्यक्तिगत कारणों का हवाला दिया है। इससे पहले बुधवार को, टीएमसी के एक अन्य वरिष्ठ नेता और बनर्जी के करीबी फिरहाद हकीम ने भी कोलकाता के महापौर पद से इस्तीफा दे दिया, जिस पद पर वे 2018 से थे। ऋतब्रता बनर्जी का विद्रोह टीएमसी नेता ऋतब्रता बनर्जी राजनीतिक संकट के केंद्र में आ गए हैं। कभी ममता बनर्जी के सबसे भरोसेमंद और वफादार सहयोगियों में गिने जाने वाले ऋतब्रता बनर्जी कथित तौर पर पार्टी से अलग हो गए। यह पूरा विवाद विपक्ष के नेता के चुनाव के प्रस्ताव पर जाली हस्ताक्षरों के आरोपों के बाद शुरू हुआ। इस मुद्दे पर सवाल उठाने के बाद ऋतब्रता बनर्जी और संदीपान साहा को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया।

इसके बाद, महज दो दिनों के भीतर ऋतब्रता ने पार्टी की पूरी संरचना को ध्वस्त कर दिया। विधानसभा की दो-तिहाई से अधिक संख्या यानी 58 विधायकों का समर्थन हासिल करके ऋतब्रता ने ममता बनर्जी को उनके पूरे राजनीतिक करियर का सबसे बड़ा झटका दिया है। 17 मुस्लिम विधायकों ने दल बदल लिया व्यापक रूप से यह माना जाता है कि टीएमसी के विखंडन का मुख्य कारण अभिषेक बनर्जी हैं। टीएमसी विधायक अरुणावा सेन ने सार्वजनिक रूप से कहा है

सीएम हिमंत शर्मा का बड़ा ऐलान: असम कैबिनेट में 12 नए मंत्री, 5 जून को लेंगे शपथ!

असम एजेंसी: असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने गुरुवार को उन 12 विधायकों के नामों की घोषणा की, जो 5 जून को असम सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ लेंगे। यह घोषणा मुख्यमंत्री के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से की गई, जहां उन्होंने बताया कि शपथ ग्रहण समारोह शुक्रवार को दोपहर 12:45 बजे आयोजित किया जाएगा। सरमा ने एक्स पर लिखा कि मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि असम विधानसभा के निम्नलिखित माननीय सदस्य 5 जून 2026 को दोपहर 12:45 बजे असम सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ लेंगे। असम मंत्रिमंडल में शामिल होने वाले विधायकों में अश्विनी रे सरकार, अशोक सिंघल, बिमल बोरा, बिस्वजीत दैमारी, जयंत मल्ला बरुआ, कौशिक राय, केशब महंत, कृष्णेंदु पॉल, नीलिमा देवी, पिजुष हजारिका, रनोज पेगु और सुसांता

बोरगोहेन शामिल हैं। आधिकारिक कार्यक्रम के अनुसार, नामित मंत्रियों का शपथ ग्रहण समारोह असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य द्वारा मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की उपस्थिति में संपन्न किया जाएगा। यह समारोह 5 जून को दोपहर 12:45 बजे गुवाहाटी के ज्योति-बिष्णु अंतरजातिक कला मंदिर में आयोजित किया जाएगा। हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों के बाद असम में भाजपा के नेतृत्व वाली नई सरकार के गठन में मंत्रिमंडल विस्तार एक महत्वपूर्ण कदम है।

मंत्रियों की नियुक्ति से विभागों के आवंटन और सरकार के पूर्ण प्रशासनिक कामकाज की शुरूआत का मार्ग प्रशस्त होने की उम्मीद है। राजनीतिक विश्लेषक भी इस मंत्रिमंडल गठन पर बारीकी से नजर रख रहे हैं ताकि नए कार्यकाल में सरकार की प्राथमिकताओं और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व के संकेत मिल सकें।

योगी जी, हमें माफ कर दो अब कोई गुनाह नहीं करेंगे..., गाज़ियाबाद में 150 अपराधियों ने अपराध छोड़ने की ली शपथ

गाजियाबाद: गाजियाबाद में मंगलवार को आपराधिक रिकॉर्ड वाले लगभग 150 लोगों ने हाथ उठाकर शपथ ली और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से माफी मांगने वाले पोस्टर लहराए, और पुलिस पुनर्वास पहल के तहत अपराध का जीवन छोड़ने का संकल्प लिया। पुनर्वास कार्यक्रम के तहत, युवा और मध्यम आयु वर्ग के पुरुषों ने हाथ उठाकर शपथ ली, जिसमें कहा गया कि हम शपथ लेते हैं कि हम भविष्य में कभी कोई अपराध नहीं करेंगे या किसी भी गलत गतिविधि में शामिल नहीं होंगे। कई प्रतिभागियों ने मुख्यमंत्री आदित्यनाथ को संबोधित पोस्टर ले रखे थे, जिनमें उन्होंने आश्वासन दिया था कि वे अवैध गतिविधियों में वापस नहीं लौटेंगे और क्षमा मांगेंगे। कई तख्तियों पर लिखा था, ह्लमुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी, हम भविष्य में अपराध नहीं करेंगे। कृपया हमें क्षमा करें। एक पूर्व आरोपी ने बताया कि उसने दोबारा अपराध न करने की प्रतिज्ञा ली है और उम्मीद जताई है कि कानून उसका साथ देगा। उसने कहा कि मुझे एहसास हो गया है कि अगर हम गलत करेंगे, तो हमें उसके परिणाम भी भुगतने पड़ेंगे। पुलिस उपायुक्त (ट्रांस-हिंडन) धवल जायसवाल ने बताया कि यह अभियान गाजियाबाद में ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत चलाए जा रहे सत्यापन अभियान का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि जिन व्यक्तियों का आपराधिक रिकॉर्ड है,

जिनके खिलाफ पहले शिकायतें दर्ज हैं या जिनका ऐसे अपराधों का इतिहास रहा है, उन सभी की जांच की जा रही है। उनके निवास स्थान, आवागमन और वर्तमान गतिविधियों का रिकॉर्ड रखा जा रहा है। जायसवाल ने बताया कि ऐसे व्यक्तियों को किसी भी आपराधिक गतिविधि में शामिल न होने की चेतावनी दी जा रही है,

केजरीवाल बोले: 4 साल में पंजाब ने शिक्षा में 27वें से 1 पर आकर रचा इतिहास

नई दिल्ली एजेंसी: आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को शिक्षा क्षेत्र में पंजाब के प्रदर्शन की सराहना करते हुए दावा किया कि नीति आयोग के सर्वेक्षण में राज्य ने केरल को पीछे छोड़ते हुए देश में शीर्ष स्थान हासिल किया है। पर एक पोस्ट में केजरीवाल ने कहा कि पंजाब, जो पहले एक मूल्यांकन में 27वें स्थान पर था, अब 2022 में आप सरकार के सत्ता में आने के चार साल के भीतर ही शिक्षा के क्षेत्र में पहले स्थान पर पहुंच गया है। केजरीवाल ने कहा कि पंजाब, जो कभी सरकारी स्कूलों की शिक्षा में 27वें स्थान पर था, अब पहले स्थान पर पहुंच गया है। इसने केरल जैसे राज्यों को भी पीछे छोड़ दिया है। हमारी सरकार 2022 में बनी थी। और 2020 के सर्वेक्षण में पंजाब 27वें स्थान पर था। 27वें स्थान से पहले स्थान तक पहुंचने में हमारी सरकार को केवल चार साल लगे हैं।

सरकारी स्कूलों में इसे ऐतिहासिक परिवर्तन बताते हुए, आम आदमी पार्टी के नेता ने कहा कि यह उपलब्धि शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा सुधारों पर पार्टी के फोकस को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि आज मैं आपको एक खुशखबरी देना चाहता हूँ। पंजाब ने पूरे देश में शिक्षा के क्षेत्र में पहला स्थान प्राप्त किया है। यह हमारा सर्वेक्षण नहीं है; यह केंद्र सरकार के नीति आयोग का शिक्षा सर्वेक्षण है। महज चार वर्षों में 27वें स्थान से पहले स्थान पर आना बहुत बड़ी उपलब्धि है। इससे बहुत उम्मीद जगती है। अगर हम चाहें तो यह कर सकते हैं। यह इरादे की बात है। अगर इरादा हो तो कुछ भी संभव है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने दिल्ली और पंजाब में अपने शासन मॉडल का हवाला देते हुए शिक्षा और स्वास्थ्य को लगातार सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने आगे कहा कि आम आदमी पार्टी शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रों को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। पहले दिल्ली में हमारी सरकार थी, जहाँ हमने शिक्षा के क्षेत्र में असाधारण कार्य किया।

कॉकरोच जनता पार्टी के पीछे कौन? मनोज झा पर लगा बड़ा आरोप, राजद सांसद ने अब दी सफाई

नई दिल्ली एजेंसी: ऑनलाइन व्यंग्य मंच से विरोध आंदोलन में परिवर्तित हुए कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के तेजी से उदय ने इसके वित्तपोषण और संस्थागत समर्थन को लेकर गहन राजनीतिक अटकलों और वायरल दावों को जन्म दिया है। आंदोलन की बढ़ती लोकप्रियता के बीच, हालिया सोशल मीडिया रिपोर्टों में आरोप लगाया गया है कि राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के सांसद मनोज कुमार झा इस संगठन के प्रमुख संरक्षक हैं, विशेष रूप से नई दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में समूह के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करने में उनकी भूमिका का उल्लेख किया गया है। ये आरोप तब और पुख्ता हो गए जब यह खुलासा हुआ कि हाल ही में हुई कॉकरोच जनता पार्टी की प्रेस कॉन्फ्रेंस के लिए स्थल की बुकिंग आरजेडी सांसद मनोज झा की सिफारिश पर की गई थी, जहां पार्टी ने तीन नए प्रवक्ता नियुक्त किए थे। इस संबंध के चलते राजनीतिक विश्लेषकों ने आरोप लगाया कि कॉकरोच जनता पार्टी विपक्ष के इंडिया ब्लॉक की कठपुतली मात्र है। इस बीत मनोज झा ने सफाई भी दी है। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी)

के बारे में राज्यसभा सांसद मनोज झा ने कहा कि आपने मेरा पत्र देखा है। यदि आप मेरे पत्र की सामग्री पढ़ेंगे, तो यह एक पत्रकार से संबंधित है जिनसे मैं सोशल मीडिया पर जुड़ा हुआ था, साथ ही दिल्ली विश्वविद्यालय के मेरे कुछ वरिष्ठ सहयोगियों से भी। मुझे बताया गया था कि उन्हें एक विशेष कार्यक्रम, एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करने की आवश्यकता है। मैं आमतौर पर हर दो-तीन दिन में किसी न किसी

कॉकरोच जनता पार्टी के वित्तपोषण और उदय पर राजनीतिक अटकलें तेज हो गई हैं, जिसमें राजद सांसद मनोज झा पर दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करने में मदद का आरोप है। मनोज झा ने इन आरोपों का खंडन करते हुए कहा है

नागरिक समाज संगठन के लिए इस तरह का काम करता हूं। मुझे बस इतना बताया गया था कि उन्हें एक कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता है, और पत्र में यह स्पष्ट रूप से लिखा है। उन्होंने आगे कहा कि मैं देखता हूं कि मीडिया में मेरे कई सहयोगी, तथ्यों की पुष्टि किए बिना और मेरे पत्र की वास्तविक सामग्री पर एक नजर डाले बिना, अब आरोप लगा रहे हैं। यदि आप कॉन्स्टिट्यूशन क्लब के संबंध में मेरे पिछले रिकॉर्ड को देखेंगे, तो मैंने लगातार कई नागरिक समाज संगठनों की सहायता की है। जहां तक मेरा सवाल है, इस मामले को अब बंद मान लेना चाहिए... मैंने 2012 या 2013 में, उस पहले आंदोलन के समय भी यही भावना व्यक्त की थी। मैं आंदोलनों पर टिप्पणी नहीं करता हूं। इस तरह के लोग जिनकी विचारधारा में स्पष्टता की कमी है। उन्होंने कल भी मुझसे समर्थन नहीं मांगा। एक सकारात्मक बात यह है कि अगर भविष्य में कोई मुझसे जगह के लिए संपर्क करता है, तो मैं अब उचित जांच करूंगा। कॉकरोच जनता पार्टी के वित्तपोषण और राजनीतिक गठबंधनों को लेकर जांच-पड़ताल ऐसे समय में हो रही है जब यह समूह 6 जून को जंतर-मंतर पर एक महत्वपूर्ण विरोध प्रदर्शन की तैयारी कर रहा है। आंदोलन के संस्थापक अभिजीत दिपके, जो विदेश से काम कर रहे हैं, के भारत लौटने और प्रदर्शन का नेतृत्व करने की उम्मीद है।

संपादकीय

खाक हुई जिंदगियां

दिल्ली में मालवीय नगर स्थित एक होटल में हुए अग्निकांड के बाद भले ही गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया हो, लेकिन सवाल है कि अग्निकांड में मरे लोगों का जीवन कौन लौटाएगा? आखिर देश की राजधानी में अकसर होने वाले अग्निकांडों का सिलसिला कब और कैसे खत्म होगा? क्या इस आपराधिक लापरवाही की जवाबदेही तय होगी? एक बार फिर अंधे लालच और आंख मूंदे तंत्र की लापरवाही से बुधवार को एक होटल में लगी भीषण आग में 21 लोगों की मौत हो गई। अभी भी कई लोग जिंदगी और मौत के बीच झूल रहे हैं। मरने वालों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका भी जतायी जा रही है। घटना ने एक बार फिर होटल, गेस्टहाउस और रेस्तरां संचालन की निगरानी करने वाली व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। विडंबना देखिए कि मरने वालों में अधिकांश विदेशी लोग भी हैं, जो सस्ता इलाज कराने भारत आए थे। एक ही परिवार के आठ लोगों के अग्निकांड का शिकार होना बेहद दुखद है। विडंबना देखिए कि जिस एक मंजिला भवन को छह कमरों का गेस्ट हाउस चलाने की अनुमति मिली थी, वहां शासन-प्रशासन की नाक के नीचे एक छह मंजिला होटल बना दिया गया, जिसमें 26 कमरे और रेस्टोरेंट संचालित किया जा रहा था। जिसमें अस्सी से सौ लोगों की मौजूदगी बतायी जा रही है। निश्चित रूप से यह महज आग से जुड़ा हादसा नहीं है बल्कि होटल संचालन से जुड़े नियमों की अनदेखी, निगरानी करने वाले विभागों की लापरवाही और तंत्र की विफलता का परिचायक है। लेकिन गाहे-बगाहे होने वाले अग्निकांडों के बावजूद तंत्र की काहिली बदस्तूर जारी है। जांच के दायरे में घटना के बाद फरार होटल मालिक ही नहीं, बल्कि वे अधिकारी भी जिम्मेदार हैं जिन्होंने इसको संचालित करने के नियमों का अनुपालन नहीं किया और भवन निर्माण की स्वीकृति व उपयोग की अनुमति दी। यह जानते हुए भी कि होटल में निकासी का मार्ग बेहद संकरा है और अग्निशमन की पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध नहीं हैं। दिल्ली के होटल में हुए अग्निकांड के बारे में बताते हैं कि आपातकालीन निकासी के अभाव व सुरक्षा मानकों का पालन न होने से ज्यादा मौतें हुई। धुंआ निकलने की पर्याप्त व्यवस्था न होने के कारण भी ज्यादा लोग दम घुटने से मौत के मुंह में समा गए। आखिर प्रशासन के अधिकारियों ने यह क्यों नहीं देखा कि स्वीकृत क्षमता से चार गुना विस्तार कर लिया गया है। गेस्ट हाउस के निर्माण में तमाम लाइसेंस शर्तों का घोर उल्लंघन हुआ। आपातकालीन निकासी की व्यवस्था न होने के कारण लोग अपनी जान बचाने के लिये, बदहवासी में ऊपरी मंजिलों से कूदते नजर आए। होटल के बाहर फैले बिजली के तार और अग्निकांड में हुई व्यापक क्षति बताती है कि विद्युत सुरक्षा मानकों का भी पालन ठीक से नहीं हुआ। जाहिर बात है कि गेस्ट हाउस से होटल बनाने से, उपयोग में हुए बदलाव की निगरानी की जिम्मेदारी स्थानीय नगर निकाय की होती है। यदि वर्षों से यह अवैध रूप से संचालित था, तो जांच व कार्रवाई क्यों नहीं की गई। यदि इसकी अग्नि सुरक्षा को लेकर एनओसी जारी की भी गई थी तो उसके बाद निरीक्षण व नियमों का अनुपालन क्यों सुनिश्चित नहीं किया गया?

चिंतन-मनन

सच्चा पुरुषार्थ

यह बात उन दिनों की है जब स्वामी विवेकानंद की चर्चा दुनिया भर में फैल चुकी थी। उनके विचारों को लेकर हर जगह विचार-विमर्श चल रहा था। उन्हें एक आदर्श के रूप में स्थापित होता देख एक विदेशी महिला बहुत प्रभावित हुई। उसने स्वामी विवेकानंद से विवाह करने का मन बना लिया। बस, इसके बाद वह हरदम उन्हीं के बारे में सोचती रहती। संयोग से एक दिन स्वामी विवेकानंद एक सम्मेलन में भाग लेने पहुंचे तो उसने उनसे मिलने की ठान ली। वह किसी तरह उसी स्थान पर जा पहुंची जहां सम्मेलन हो रहा था।

महिला स्वामी जी के समीप जाकर निर्भीकता से बोली,स्वामी जी, मैं आपसे विवाह करना चाहती हूं। स्वामी विवेकानंद ने उससे पूछा,क्यों, विवाह तुम आखिर मुझसे ही क्यों करना चाहती हो? क्या तुम यह नहीं जानती कि मैं तो एक संन्यासी हूं? महिला ने पूरी विनम्रता से कहा,देखिए, बात ये है कि मैं आपके जैसा ही गौरवशाली, सुशील और तेजमय पुत्र चाहती हूं। और वह तो तभी संभव होगा जब आप मुझसे विवाह करेंगे।

यह सुनकर स्वामी विवेकानंद ने उत्तर दिया, देखो, हमारी शादी तो संभव नहीं है, परंतु एक उपाय अवश्य है। महिला बोली,कैसा उपाय? स्वामी विवेकानंद बोले,आज से मैं ही आपका पुत्र बन जाता हूं और आप मेरी मां बन जाएं। आपको मेरे जैसा पुत्र मिल जाएगा। विवेकानंद की यह बात सुनकर विदेशी महिला उनके चरणों पर गिर पड़ी और बोली,स्वामी जी, सचमुच आप साक्षात ईश्वर के रूप हैं। इसे कहते हैं पुरुष और ये होता है पुरुषार्थ। सच्चा पुरुषार्थ तभी होता है जब पुरुष नारी के प्रति अपने मन में पुत्र जैसा भाव ला सके और उसमें मातृत्व की भावना उत्पन्न कर सके।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

मध्य पूर्व संकट(अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव) और बुद्ध का शांति मार्ग

सुनील कुमार महला

मध्य पूर्व में अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। पाठक जानते होंगे कि पिछले कुछ समय से युद्धविराम और शांति वार्ता की उम्मीदें बार-बार बनती और टूटती रही हैं। सच तो यह है कि शांति वार्ता फिलहाल गतिरोध का शिकार दिखाई दे रही है। अमेरिका और ईरान के बीच अप्रत्यक्ष बातचीत के कई दौर हो चुके हैं, लेकिन दोनों पक्ष अपनी-अपनी शर्तों पर अड़े रहने के कारण किसी ठोस समझौते तक नहीं पहुंच सके हैं। परिणामस्वरूप शांति प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पा रही है और क्षेत्र में सैन्य गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं।मिसाइल, ड्रोन और हवाई हमलों की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जिससे क्षेत्रीय अस्थिरता और गहरी हुई है। लेबनान सहित अन्य क्षेत्रों में जारी संघर्ष ने भी हालात को और जटिल बना दिया है। ईरान का आरोप है कि उस पर तथा उसके सहयोगी समूहों पर लगातार दबाव बनाया जा रहा है, जबकि अमेरिका और इजराइल क्षेत्रीय सुरक्षा के नाम पर अपनी सैन्य कार्रवाइयों को आवश्यक ठहराते हैं। बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने अमेरिका के साथ चल रही कुछ वाताओं को स्थगित कर दिया है, जिससे युद्धविराम और समझौते की संभावनाओं को झटका लगा है। वास्तव में,इस संकट का प्रभाव केवल मध्य पूर्व तक सीमित नहीं है। होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों में से एक है। वहां किसी भी प्रकार का तनाव वैश्विक तेल आपूर्ति, समुद्री व्यापार और ऊर्जा बाजार को प्रभावित कर सकता है। यही कारण है कि दुनिया भर के देश इस स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि सैन्य टकराव और धमकियों का सिलसिला जारी रहा, तो इसका प्रतिकूल प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता पर पड़ सकता है। वर्तमान स्थिति यह है कि मध्य पूर्व में न तो पूर्ण युद्ध की अवस्था है और न ही स्थायी शांति स्थापित हो सकी है। एक ओर बातचीत जारी है, तो दूसरी ओर जमीन पर तनाव भी बना हुआ है। इसलिए सभी पक्षों को सैन्य विकल्पों के बजाय संवाद, कूटनीति और आपसी विश्वास के माध्यम से स्थायी शांति का मार्ग तलाशना चाहिए। यदि अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच जल्द कोई व्यापक समझौता नहीं होता, तो इसका असर क्षेत्रीय सुरक्षा, तेल कीमतों और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। ऐसे में स्थायी युद्धविराम और कूटनीतिक समाधान ही वर्तमान संकट का सबसे प्रभावी मार्ग है। बहरहाल, आज विश्व में बढ़ती हिंसा, तनाव और असहिष्णुता के बीच भगवान बुद्ध का मार्ग पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है। बुद्ध ने सत्य, अहिंसा, करुणा और मध्यम मार्ग का संदेश देकर मानवता को शांति का रास्ता दिखाया। उनका मानना था कि क्रोध, लोभ और द्वेष अधिकांश समस्याओं की जड़ हैं। यदि व्यक्ति और समाज उनके उपदेशों को अपनाएं, तो आपसी संघर्ष और वैमनस्य को काफी हद तक कम किया जा सकता है। बुद्ध का मार्ग आत्मसंयम, सहिष्णुता और मैत्रीभाव की शिक्षा देता है। आज की अशांत दुनिया में स्थायी शांति और सामाजिक सद्भाव के लिए उनके विचार प्रेरणास्रोत हैं। उनका संदेश किसी एक धर्म या समुदाय तक सीमित नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के कल्याण का संदेश है। इसलिए वर्तमान समय में बुद्ध के मार्ग को अपनाना एक बेहतर, सुरक्षित और शांतिपूर्ण भविष्य की आवश्यकता बन गया है।विशेष रूप से अमेरिका, ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव और संघर्ष के इस दौर में भगवान बुद्ध के शांति, करुणा और अहिंसा के सिद्धांत अत्यंत प्रासंगिक दिखाई देते हैं। बुद्ध ने सिखाया था कि हिंसा से हिंसा समाप्त नहीं होती, बल्कि प्रेम, संवाद और समझ से ही स्थायी शांति स्थापित की जा सकती है। यदि सभी पक्ष टकराव और प्रतिशोध की भावना त्यागकर धैर्य, संयम और आपसी सम्मान के साथ बातचीत का मार्ग अपनाएं, तो विवादों का शांतिपूर्ण समाधान संभव है।बुद्ध का मध्यम मार्ग अतिरेक और कट्टरता से दूर रहकर संतुलित निर्णय लेने की प्रेरणा देता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि सैन्य शक्ति के प्रदर्शन के बजाय कूटनीति, विश्वास और मानव कल्याण को प्राथमिकता दी जाए। यही दृष्टिकोण न केवल मध्य पूर्व में शांति स्थापित कर सकता है, बल्कि वैश्विक स्थिरता, मानवता और विश्व बंधुत्व को भी सुदृढ़ बना सकता है। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अग्निकांडों से सीखः यह केवल एक व्यक्ति या संस्था की नहीं बल्कि पूरे तंत्र की विफलता

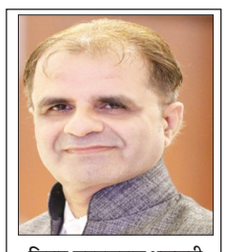

किशन सनमुखदास भावनानी

जवाबदेही संस्थागत विफलताएँ भ्रष्टाचार और भविष्य की सुरक्षा का वैश्विक परिप्रेक्ष्य समग्र व्यापक विश्लेषण...

अग्निकांड केवल एक दुर्घटना नहीं,यह उस पूरे प्रशासनिक, नियामक और सामाजिक तंत्र की प्रणालीगत विफलता है जो नागरिकों की सुरक्षा के लिए बनाया गया है?

जब तक पारदर्शिता,नियमित निरीक्षण,शून्य- सहिष्णुता वाली भ्रष्टाचार-विरोधी नीति,संस्थागत समन्वय और कठोर जवाबदेही सुनिश्चित नहीं की जाएगी,तब तक ऐसी त्रासदियाँ बार-बार मानव जीवन की भारी कीमत वसूलती रहेंगी

वैश्विक स्तर पर फिर एक बार हड़कंप मच गया जब दिल्ली के मालवीय नगर क्षेत्र में 3 जून 2026 को हुए भीषण अग्निकांड में बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु और घायल होने की खबर ने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि जब किसी होटल,अस्पताल, मॉल, स्कूल, औद्योगिक इकाई या व्यावसायिक भवन में आग लगती है तो आखिर ऐसी त्रासदी केवल आग के कारण होती है या उसके पीछे वर्षों से जमा होती आ रही प्रशासनिक, तकनीकी और संस्थागत विफलताओं की लंबी श्रृंखला भी जिम्मेदार होती है। दुनियाँ के किसी भी देश में आग लगना एक दुर्घटना हो सकती है,लेकिन आग के कारण बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु होना अक्सर एक प्रणालीगत विफलता माना जाता है। अंतरराष्ट्रीय आपदा प्रबंधन विशेषज्ञों का मानना है कि अधिकांश बड़े अग्निकांडों में मौतें केवल आग से नहीं बल्कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी, निकासी व्यवस्था की कमी, आपातकालीन प्रतिक्रिया में देरी,निरीक्षण तंत्र की कमजोरी और भ्रष्टाचार के कारण होती हैं।इसलिए किसी भी अग्निकांड की जांच केवल यह पता लगाने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए कि आग कैसे लगी, बल्कि यह भी देखा जाना चाहिए कि ऐसी स्थिति बनने ही क्यों दी गई।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि, 3 जून 2026 की सुबह भारत की राजधानी दिल्ली के मालवीय नगर स्थित फ्लोरिश स्टे होटल और उससे जुड़े रेस्तरां में लगी भीषण आग ने केवल 21 से अधिक लोगों की जान नहीं ली,बल्कि देश की शहरी सुरक्षा व्यवस्था,नियामक तंत्र, प्रशासनिक जवाबदेही और सार्वजनिक सुरक्षा संस्कृति पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया। मीडिया में आए प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार भवन को केवल 6 कमरों की अनुमति थी,जबकि वहां लगभग 25 कमरे संचालित किए जा रहे थे। इससे भी अधिक चिंताजनक तथ्य यह सामने आया कि भवन के पास वैध फायर एनओसी नहीं थी तथा अंदर आने- जाने के लिए प्रभावी आपातकालीन निकास व्यवस्था भी उपलब्ध नहीं थी। बेसमेंट में लोगों के फंस जाने की खबरों ने स्थिति को और भयावह बना दिया।इस त्रासदी में 21 लोगों की मृत्यु हुई, 40 से अधिक लोगों को बचाया गया तथा अनेक गंभीर रूप से घायल अस्पतालों में जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष कर रहे हैं। मृतकों में मध्य एशिया और अफ्रीकी देशों के कई विदेशी नागरिक भी शामिल बताए जा रहे हैं, जो भारत में चिकित्सा उपचार या अन्य कारणों से आए थेप्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार लोग धुएं और लपटों से बचने के लिए तीसरी और चौथी मंजिल से कूदने को मजबूर हो गए, जबकि स्थानीय नागरिक नीचे गद्दे बिछाकर उनकी जान बचाने का प्रयास कर रहे थे। यह घटना किसी भूकंप, बाढ़ या प्राकृतिक आपदा का परिणाम नहीं थी, बल्कि प्रथम दृष्टया मानवीय लापरवाही,नियमों कीअवहेलना भ्रष्टाचार, कमजोर निगरानी और जवाबदेही की कमी का परिणाम प्रतीत होती है। यही कारण है कि यह दुर्घटना केवल एक होटल अग्निकांड नहीं बल्कि आधुनिक भारतीय शहरी प्रशासन की विफलताओं का प्रतीक बन गई है।

साथियों बात अगर हम ऐसी घटनाओं के भारतीय इतिहास की करें तो, भारत का इतिहास ऐसी दर्दनाक घटनाओं से भरा पड़ा है। वर्ष 1997 में दिल्ली के उपहार सिनेमा फायर में 59 लोगों की मृत्यु हुई थी। जांच में सामने आया कि आपातकालीन निकास मार्ग अवरुद्ध थे, सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया था तथा प्रबंधन और प्रशासन दोनों स्तरों पर गंभीर लापरवाही हुई थी। वर्ष 2004 में कुम्बाकूनम स्कूल फायर में 94 स्कूली बच्चों की मृत्यु हुई।विद्यालय में अग्नि सुरक्षा प्रबंधअत्यंत कमजोर थे और ज्वलनशील सामग्री का उपयोग किया गया था। वर्ष 2019 में अनाज मंडी फायर में 43 लोगों की मृत्यु हुई, जहां फैक्ट्री अवैध रूप से संचालित हो रही थी और निकास व्यवस्था अपर्याप्त थी। उसी वर्ष दिल्ली के मुंडका फायर ट्रेगेडी जैसे मामलों में भी बड़ी संख्या में लोगों की जान गई। पश्चिम बंगाल के अमरी हॉस्पिटल फायर में 90 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई थी, जहां धुएं और आपातकालीन प्रबंधन की विफलता प्रमुख कारण बने। इन सभी घटनाओं में एक समान पैटर्न दिखाई देता है,नियमों का उल्लंघन, कमजोर निरीक्षण, भ्रष्टाचार, अपर्याप्त फायर ऑडिट और एजेंसियों के बीच सटीकता से समन्वय की कमी।

साथियों, किसी भी बड़े शहर में अग्निशमन सेवा या फायर ब्रिगेड अंतिम रक्षा पंक्ति होती है। जब आग लग जाती है तब फायर ब्रिगेड को बुलाया जाता है, लेकिन वास्तविक प्रश्न यह है कि क्या फायर विभाग ने भवन का समय- समय पर निरीक्षण किया था, क्या भवन के पास वैध अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र था,क्या अग्निशमन उपकरण कार्यरत थे, क्या स्प्रिंकलर सिस्टम और स्मोक डिटेक्टर सक्रिय थे और क्या भवन मालिकों ने नियमों का पालन किया था। अनेक मामलों में देखा गया है कि फायर विभाग निरीक्षण तो करता है लेकिन बाद में नियमों के उल्लंघन को नजरअंदाज कर दिया जाता है। कई देशों में जांच रिपोर्टों ने यह दिखाया है कि अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र मिलने के बाद वर्षों तक दोबारा प्रभावी निरीक्षण नहीं होता। परिणामस्वरूप भवनों में अतिरिक्त कमरे, अवैध निर्माण, बंद आपातकालीन निकास और क्षमता से अधिक लोगों को रखने जैसी खतरनाक स्थितियाँ विकसित हो जाती हैं। यदि किसी भवन को छह कमरों की अनुमति मिली हो और बाद में उसमें कई गुना अधिक कमरे बना दिए जाएँ तो यह केवल भवन मालिक की गलती नहीं बल्कि निगरानी तंत्र कीसटीकता से विफलता भी मानी जाएगी।

साथियों पुलिस की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।सामान्यतः पुलिस को आपदा के समय कानून-व्यवस्था बनाए रखने,बचाव कार्यों को सुगम बनाने और अपराध संबंधी जांच करने का दायित्व दिया जाता है। लेकिन कई बार पुलिस का स्थानीय स्तर पर भवनों, होटलों, गेस्ट हाउसों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के बारे में पर्याप्त रिकॉर्ड नहीं होता। कुछ मामलों में अवैध गतिविधियों या नियमों के उल्लंघन की जानकारी होने के बावजूद समय रहते कार्रवाई नहीं की जाती। आपदा के बाद पुलिस अक्सर जांच शुरू करती है,जबकि वास्तविक५आवश्यकता जोखिमों की पूर्व पहचान और निवारक कार्रवाई की होती है।विकसित देशों में पुलिस, अग्निशमन विभाग और स्थानीय प्रशासन के बीच डेटा साझा करने की व्यवस्था होती है जिससे जोखिम वाले भवनों की पहचान पहले से की जा सके। भारत सहित अनेक विकासशील देशों में यह समन्वय अभी भी सीमित दिखाई देता है।

साथियों,आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों की जिम्मेदारी केवल आपदा के बाद राहत देना नहीं बल्कि जोखिम को कम करना भी है।यदि किसी महानगर में हजारों होटल, हॉस्टल अस्पताल और व्यावसायिक इमारतें हैं तो यह सुनिश्चित करना आपदा प्रबंधन संस्थाओं का भी दायित्व है कि आपातकालीन निकासी योजना,मॉक ड्रिल, प्रशिक्षण और जन-जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से संचालित हों। अक्सर पाया जाता है कि मॉक ड्रिल केवल कागजों में पूरी हो जाती है या सीमित स्तर पर आयोजित होती है। जब वास्तविक आपदा आती है तब कर्मचारी, सुरक्षा गार्ड और भवन प्रबंधक नहीं जानते कि लोगों को सुरक्षित बाहर कैसे निकाला जाए। इससे भगदड़, घबराहट और मृत्यु की संख्या बढ़ जाती है। एम्बुलेंस सेवाओं और चिकित्सा आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली की कमियाँ भी अनेक बार सामने आती हैं। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार किसी बड़े शहर में आपातकालीन चिकित्सा प्रतिक्रिया का समय न्यूनतम होना चाहिए। लेकिन ट्रैफिक जाम, अपर्याप्त एम्बुलेंस, समन्वय की कमी और अस्पतालों में तैयारी के अभाव के कारण घायल लोगों को समय पर उपचार नहीं मिल पाता। अग्निकांडों में धुएँ से दम घुटना एक प्रमुख कारण होता है और ऐसे मामलों में शुरूआती कुछ मिनट अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। यदि चिकित्सा सहायता में देरी होती है तो बचाई जा सकने वाली जानें भी चली जाती हैं।

साथियों, स्थानीय निकायों और नगर निगमों की जवाबदेही शायद सबसे महत्वपूर्ण होती है क्योंकि भवन निर्माण की अनुमति,उपयोग परिवर्तन, व्यापार लाइसेंस और भवन सुरक्षा की प्राथमिक जिम्मेदारी इन्हीं के पास होती है। दुनियाँ भर में हुई अनेक त्रासदियों की जांच में पाया गया कि भवन निर्माण नियमों का पालन नहीं किया गया था। कहीं अवैध मंजिलें बनाई गई थीं, कहीं निकास मार्ग बंद थे, कहीं विद्युत तारों का रखरखाव खराब था और कहीं अग्नि सुरक्षाउपकरण केवल दिखावे के लिए लगाए गए थे। यदि किसी नगर निकाय के रिकॉर्ड में भवन की एक स्थिति दर्ज हो और वास्तविकता में वह पूरी तरह अलग हो, तो यह निरीक्षण और प्रवर्तन तंत्र की गंभीर विफलता का संकेत है। साथियों, भ्रष्टाचार का मुद्दा सबसे संवेदनशील लेकिन सबसे महत्वपूर्ण है। दुनिया के अनेक देशों में हुई आपदाओं की जांच रिपोर्टों ने यह संकेत दिया है कि नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों को कभी-कभी रिश्वत, राजनीतिक संरक्षण या प्रशासनिक उदासीनता के कारण संरक्षण मिल जाता है।

पर्यावरणीय संकट से समाधान की ओर बढ़ने का समय

पाँच जून को मनाया जाने वाला विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि पृथ्वी और मानवता के भविष्य को बचाने का वैश्विक संकल्प है। वर्ष 2026 का विश्व पर्यावरण दिवस ऐसे समय में आया है जब जलवायु परिवर्तन, प्लास्टिक प्रदूषण, जैव विविधता का क्षरण, जल संकट, वायु प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन ने पृथ्वी के अस्तित्व को गंभीर चुनौती के सामने खड़ा कर दिया है। इस वर्ष की थीम ह्लप्लास्टिक प्रदूषण का अंतह्व (ठमंज च्सेंजपब च्वससनजपवद) केवल प्लास्टिक के उपयोग को कम करने का आह्वान नहीं है, बल्कि उपभोगवादी जीवनशैली और प्रकृति-विरोधी विकास मॉडल पर पुनर्विचार का भी संदेश है। आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को झेल रही है। कहीं भीषण गर्मी जीवन को असहनीय बना रही है, कहीं अनियंत्रित वर्षा और बाढ़ तबाही ला रही है, तो कहीं सूखा और जल संकट मानव अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न खड़े कर रहे हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। उत्तराखंड के जंगलों में आग, हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना, महानगरों में प्रदूषण, बेंगलुरु जैसे तकनीकी नगरों में जल संकट और लगातार बढ़ती गर्मी इस बात के संकेत हैं कि पर्यावरणीय संकट अब भविष्य की नहीं, वर्तमान की वास्तविकता बन चुका है।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टें चेतावनी दे रही हैं कि पिछले एक दशक में जलवायु संबंधी आपदाओं से लाखों लोगों की मृत्यु हुई है और खरबों डॉलर की आर्थिक क्षति हुई है। जैव विविधता का ह्रास, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण-ये तीनों संकट परस्पर जुड़े हुए हैं। यदि वैश्विक तापमान वृद्धि को नियंत्रित नहीं किया गया तो मानव सभ्यता के सामने अभूतपूर्व संकट खड़ा हो सकता है। 2015 के पेरिस जलवायु समझौते में वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, लेकिन आज भी दुनिया उस दिशा में अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ रही है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि विश्व के सामने उपस्थित इस सबसे बड़े संकट को भारत की राजनीति में वह महत्व नहीं मिला, जिसका वह अधिकारी है। चुनावी घोषणापत्रों में पर्यावरण का उल्लेख तो होता है, लेकिन वह केवल औपचारिकता भर रह जाता है। राजनीतिक दल यह मानकर चलते हैं कि पर्यावरण, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन वोट दिलाने वाले मुद्दे नहीं हैं। परिणामस्वरूप पर्यावरणीय प्रश्न न तो चुनावी बहस का हिस्सा बनते हैं और न ही राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का। जबकि सच्चाई यह है कि आने वाली पीढ़ियों का जीवन, स्वास्थ्य और सुरक्षा इसी प्रश्न पर निर्भर करती है।

पर्यावरणीय संकट का मूल कारण विकास की वह अवधारणा है जिसमें प्रकृति को केवल संसाधन और उपभोग की वस्तु मान लिया गया है। हमने जंगलों को उद्योगों के लिए, नदियों को अपशिष्ट के लिए और भूमि को कंक्रीट के जंगलों में बदलने के लिए प्रयोग किया। प्रकृति हमें जीवन का आधार निःशुल्क देती है, लेकिन हमने उसके प्रति कृतज्ञता के बजाय दोहन का व्यवहार अपनाया। परिणामस्वरूप वनस्पतियों का विनाश, वन्य जीवों का संकट, भूमिगत जल का क्षय और प्रदूषण का विस्तार निरंतर बढ़ रहा है। भारतीय संस्कृति ने सदैव प्रकृति को पूजनीय माना है। वृक्षों, नदियों, पर्वतों और वनस्पतियों को केवल भौतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवनदाता के रूप में देखा गया। आयुर्वेद और वनौषधि विज्ञान इसका श्रेष्ठ उदाहरण हैं। जड़ी-बूटियों और वनस्पतियों ने हजारों वर्षों तक मानव स्वास्थ्य की रक्षा की, लेकिन आधुनिकता की अंधी दौड़ में यह ज्ञान और प्राकृतिक संपदा दोनों उपेक्षित होते गए। आज जब नई-नई बीमारियां मानव जीवन को चुनौती दे रही हैं, तब पुनः प्रकृति और वनस्पति जगत की ओर लौटने की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

वर्तमान संकट केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और नैतिक संकट भी है। वायु प्रदूषण लाखों लोगों की असामयिक मृत्यु का कारण बन रहा है। जल स्रोत प्रदूषित हो रहे हैं। कृषि व्यवस्था प्रभावित हो रही है। मौसम चक्र असंतुलित हो गया है। गरीब और कमजोर वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। कभी इंदिरा गांधी ने कहा था कि 'गरीबी सबसे बड़ा प्रदूषक है।' आज यह कथन और अधिक प्रासंगिक हो गया है क्योंकि गरीबी और पर्यावरणीय विनाश एक-दूसरे को बढ़ाने वाले कारक बन गए हैं। भारत में पर्यावरण संरक्षण के लिए कानूनों की कमी नहीं है। 1972 में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम से लेकर अनेक पर्यावरणीय कानून बनाए गए। लेकिन कानूनों और उनके प्रभावी क्रियान्वयन के बीच गहरी खाई बनी हुई है। अवैध खनन, वनों की कटाई, प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों की अनदेखी और पर्यावरणीय मंजूरियों में शिथिलता इस बात का प्रमाण हैं कि संस्थागत इच्छाशक्ति अभी भी पर्याप्त नहीं है।

फिर भी आशा की किरण दिखाई देती है। युवाओं में पर्यावरण के प्रति जागरूकता तेजी से बढ़ रही है। विभिन्न सर्वेक्षणों में बड़ी संख्या में युवाओं ने जलवायु संकट को गंभीर विषय माना है और सरकार से इस संबंध में शिक्षा एवं जनजागरण की अपेक्षा की है। यह संकेत है कि नई पीढ़ी पर्यावरण को केवल प्रकृति का नहीं, बल्कि अपने भविष्य का प्रश्न मान रही है। आवश्यकता इस चेतना को सामाजिक और राजनीतिक शक्ति में बदलने की है। समाधान क्या है? सबसे पहले विकास और पर्यावरण को विरोधी नहीं, पूरक मानने की दृष्टि विकसित करनी होगी। ऊर्जा के स्वच्छ स्रोतों को बढ़ावा देना, जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करना, सार्वजनिक परिवहन को मजबूत बनाना, जल संरक्षण को राष्ट्रीय अभियान बनाना, वृक्षारोपण को जनांदोलन का रूप देना और प्लास्टिक के उपयोग पर प्रभावी नियंत्रण आवश्यक है। केवल सरकारी योजनाओं से यह कार्य संभव नहीं होगा, इसके लिए समाज, उद्योग, शिक्षा संस्थानों और नागरिकों की साझी भागीदारी चाहिए।

दूसरा, पर्यावरण को राजनीतिक एजेंडा बनाना होगा। जिस प्रकार रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य चुनावी मुद्दे बनते हैं, उसी प्रकार स्वच्छ वायु, स्वच्छ जल, हरित विकास और जलवायु सुरक्षा भी राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनें। मतदाता अपने प्रतिनिधियों से पर्यावरण संबंधी दृष्टि और प्रतिबद्धता के बारे में प्रश्न पूछें। जब जनता पर्यावरण को प्राथमिकता देगी, तब राजनीति भी उसकी ओर मुड़ेगी। तीसरा, शिक्षा व्यवस्था में पर्यावरणीय चेतना को व्यवहारिक रूप से शामिल करना होगा। बच्चों और युवाओं को केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ जुड़ाव, जल संरक्षण, कचरा प्रबंधन और जैव विविधता संरक्षण के व्यावहारिक संस्कार दिए जाने चाहिए। चैथा, हमें अपनी जीवनशैली में परिवर्तन लाना होगा। अत्यधिक उपभोग, अपव्यय और सुविधावादी संस्कृति ने पर्यावरणीय संकट को बढ़ाया है। संयमित उपभोग, पुनर्चक्रण, स्थानीय संसाधनों का उपयोग और प्रकृति के प्रति संवेदनशील जीवनशैली ही स्थायी समाधान दे सकती है। यह दृष्टि भारतीय दर्शन और जीवन मूल्यों में पहले से विद्यमान है।

विश्व पर्यावरण दिवस 2026 हमें यह स्मरण कराता है कि पर्यावरण का प्रश्न केवल पेड़-पौधों या नदियों का प्रश्न नहीं हैय यह मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न है। यदि हमने समय रहते अपनी नीतियों, विकास मॉडल और जीवनशैली में परिवर्तन नहीं किया, तो आने वाली पीढ़ियां हमें क्षमा नहीं करेंगी। लेकिन यदि हम सजगता, वैज्ञानिक दृष्टि, राजनीतिक इच्छाशक्ति और सामाजिक सहभागिता के साथ आगे बढ़ें, तो संकट को अवसर में बदल सकते हैं। भारत के पास विश्व को नई दिशा देने की क्षमता है। प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व, अहिंसा, संयम और संतुलित विकास की भारतीय दृष्टि आज पूरे विश्व के लिए मार्गदर्शक बन सकती है। आवश्यकता केवल इतनी है कि पर्यावरण को विकास का विकल्प नहीं, विकास का आधार माना जाए। यही विश्व पर्यावरण दिवस का संदेश है, यही भविष्य की सुरक्षा का मार्ग है और यही पृथ्वी के प्रति हमारी सच्ची जिम्मेदारी भी।

जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने किसानों को वितरित किए मैंगो बैग

अमरोहा (सब का सपना):- राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद, लखनऊ के द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार के किसानों की आय को दुगुना करने के उद्देश्य को सफल बनाने के लिए जनपद के किसानों की आम की फसल को निर्यात हेतु बनाने के उदेशय से जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ के द्वारा किसानों को मैंगो बैग वितरित किए गए। ये योजना मण्डी परिषद लखनऊ ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अमरोहा एवम पूर्वी उत्तर प्रदेश के

लखनऊ मंडी क्षेत्रान्तर्गत आने वाले किसानों को लाभ देने के लिए चिन्हित किया गया था। जिसका कलेक्ट्रेट में जिला अधिकारी के द्वारा मैंगो बैग किसानों को वितरित किए गए हैं। मण्डी सचिव के द्वारा अवगत कराया गया कि यदि किसी किसान को मैंगो बैग चाहिए हो तो वह अमरोहा मंडी समिति कार्यालय से प्राप्त कर सकता हैं। इस अवसर पर मंडी सभापति मसीहा नजम, मंडी सचिव अरविंद कुमार, एवम कृषक पवन कुमार, जेराम सिंह, ओम पाल आदि मौजूद रहे।

पुलिस ने किया बाग ठेकेदार की हत्या का खुलासा, बेटे समेत 3 गिरफ्तार

नौगावां सादात/अमरोहा (सब का सपना):- बाग ठेकेदार रईस अहमद की हत्या का 24 घंटे में खुलासा कर दिया। पुलिस ने मृतक के बेटे आयान समेत तीन आरोपियों को तमंचे के साथ देहरा चौराहे से गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में थाना प्रभारी थाना नौगावां सादात सुनील कुमार की टीम ने यह कार्रवाई की। घटना 1-2 जून की रात ग्राम गजस्थल स्थित आम के बाग की है। रईस अहमद पुत्र मुन्ना बाग में चारपाई पर सो रहे थे, तभी उन्हें गोली मार दी गई। यूपी-112 पर सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन परिजन घायल को पहले ही जिला अस्पताल ले जा चुके थे। हालत गंभीर होने पर उन्हें मेरठ मेडिकल

कॉलेज रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान मौत हो गई।जांच में सामने आया कि मृतक रईस टेंट हाउस चलाता था और उसने रणवीर का बाग भी ठेके पर ले रखा था। उसने कारोबार से करीब 2 लाख रुपये कमाए थे जो पत्नी शाहजहाँ उर्फ सज्जो के पास थे। 8 दिन पहले रईस पूरी रकम पत्नी से वापस ले गया था। इस बात को लेकर पति-पत्नी में झगड़ा हुआ। बेटा आयान मां का पक्ष लेता था। परिजनों ने बताया कि रईस शराब पीकर पत्नी से मारपीट करता था और घर खर्च के लिए पैसे नहीं देता था। पुलिस पूछताछ में 20 वर्षीय बेटे आयान ने बताया कि पिता के रोज-रोज के झगड़े और मारपीट से तंग आकर उसने हत्या की योजना बनाई। इसमें गांव के ही 18 वर्षीय दीपांशु पुत्र कैलाश और 18 वर्षीय दीपक पुत्र महेन्द्र को शामिल किया। 1-2 जून की रात तीनों बाग में पहुंचे और सोते हुए रईस के सिर में गोली मारकर फरार हो गए। पुलिस ने आयान, दीपांशु और दीपक को मु0अ0सं0 202/2026 धारा 103 1 बीएनएस में गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल तमंचा भी बरामद हुआ है। तीनों आरोपियों को विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश किया जा रहा है। अनावरण करने वाली टीम में थाना प्रभारी सुनील कुमार के साथ एसआई और कांस्टेबल शामिल रहे। एसपी लखन सिंह यादव ने टीम को शाबाशी दी है।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए 31 जुलाई तक करें आवेदनः- जिला प्रोबेशन अधिकारी

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के मेधावी और असाधारण प्रतिभा वाले बच्चों के लिए बड़ी खबर है। भारत सरकार द्वारा दिए जाने वाले प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार (PMRBP) 2026 के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। जिला प्रोबेशन अधिकारी राकेश सिंह ने बताया कि इच्छुक बालक-बालिकाएं 31 जुलाई 2026 तक https:// awards .gov.in पोर्टल पर नामांकन कर सकते हैं। यह पुरस्कार बच्चों की असाधारण उपलब्धियों को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता देने के लिए दिया जाता है। 18 वर्ष से कम उम्र के ऐसे

बच्चे जिन्होंने वीरता, समाजसेवा, पर्यावरण, खेल, कला एवं संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट और असाधारण योगदान दिया है, वे इसके लिए पात्र हैं। आवेदक की उम्र 31 जुलाई 2026 तक 18 वर्ष से कम होनी चाहिए। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि उक्त पुरस्कार हेतु केवल ऑनलाइन पोर्टल https://awards.gov.in पर ही आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 है। संबंधित क्षेत्रों में राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित या उल्लेखनीय कार्य करने वाले बालक-बालिका स्वयं आवेदन कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया या पात्रता संबंधी अधिक जानकारी के लिए कार्यालय जिला प्रोबेशन अधिकारी, विकास भवन कक्ष संख्या-04, जोया रोड अमरोहा में संपर्क किया जा सकता है। जिला प्रशासन ने अभिभावकों और स्कूलों से अपील की है कि प्रतिभाशाली बच्चों के आवेदन कराकर उन्हें राष्ट्रीय मंच दिलाने में मदद करें।

डीएम ने की आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों की भर्ती परीक्षा की तैयारियों के संबंध में बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिला मजिस्ट्रेट डॉ0 नितिन गौड़ की अध्यक्षता और पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव की उपस्थित में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में 08, 09 एवं 10 जून 2026 को उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती 2025 परीक्षा की तैयारियों के संबंध में बैठक हुई। जिला मजिस्ट्रेट ने कहा कि परीक्षा केन्द्रों पर पुरूष एवं महिला अभ्यर्थियों की जांच के लिए अलग-अलग स्टाफ की ड्यूटी लगाई जाए। उन्होने सख्त निर्देश दिए कि परीक्षा केन्द्र के अन्दर उपस्थित सभी कार्मिक अपने फोटोयुक्त पहचान पत्र जरूर प्रदर्शित करें। सभी सेक्टर एवं स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केन्द्र व्यवस्थापक निर्धारित प्रक्रियानुसार परीक्षा के सफल संचालन एवं परीक्षा को सकुशल, शांतिपूर्वक, निष्पक्षता एवं शुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए लगन एवं समयबद्धता से सौंपे गये दायित्वों का निर्वहन करना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि परीक्षा को पूरी पारदर्शिता के साथ नकलविहीन संपन्न करायी जाये। इसकी संवेदनशीलता, शुचिता एवं पारदर्शिता किसी भी स्तर पर भंग न हो, यदि कोई भंग करने का प्रयास करेगा तो उसके विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने रोडवेज, यातायात पुलिस एवं परिवहन विभाग को निर्देश दिए कि परीक्षार्थियों को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। डॉ0 नितिन गौड़ ने कहा कि समस्त परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त

पुलिस बल की उपलब्धता सुनिश्चित कर ली जाए। जनपद में काफी संख्या में अभ्यर्थियों का मूवमेंट होगा। किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो, इसलिये अधिकारी समय से सभी तैयारियां पूर्ण कर लें। आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती 2025 परीक्षा जनपद में 10 परीक्षा केंद्रों पर संपादित होगी जिन पर कुल 28224 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। प्रत्येक पाली में 4704 अभ्यथी परीक्षा में शामिल होंगे। प्रथम पाली पूर्वान्ह 10:00 से 12:00 बजे तक एवं द्वितीय पाली अपरान्ह 03:00 से 05:00 बजे तक प्रतिदिन दो सत्रों में होगी। उन्होने निर्देश दिए कि सभी मजिस्ट्रेट पुलिस अधिकारी के साथ निरीक्षण कर परीक्षा केन्द्रों पर आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की जांच कर लें अगर कहीं कोई कमी पाई जाती है तो उसको शीघ्रता से दुरुस्त कर लें। सीएमओ को निर्देश दिए कि सभी केंद्रों पर मेडिकल टीम और एम्बुलेंस उपलब्ध रहे। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण परीक्षा है, इसलिए सभी स्टेटिक मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट, पुलिस, केंद्र व्यवस्थापक अपनी ड्यूटी बहुत ही जिम्मेदारी से करनी है। उक्त परीक्षा के संबंध में जो पुस्तिका है उसको ठीक से पढ़ ले ताकि किसी प्रकार की समस्या ना हो। ए0के0के0 इंटर कालेज, भगवत सरन इंटर कालेज, राजकीय बालिका इंटर कालेज, राजकीय इंटर कालेज, आइ0एम0 इंटर कालेज, जे0एस0एच0 इंटर कालेज, जेएस हिंदू पीजी कालेज अमरोहा ब्लाक-ए, जे0एस0 हिंदू पीजी कालेज अमरोहा ब्लाक-बी, कुंदन माडल इंटर कालेज और सिख इंटर कालेज। डॉ0 नितिन गौड़ ने नकल विहीन और शुचितापूर्ण परीक्षा आयोजित कराने के संबंध में कहा कि परीक्षा के संबंध में भर्ती बोर्ड द्वारा जारी निदेर्शों का कड़ाई से शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराया जाये। परीक्षा केन्द्रों पर ठंडे पेयजल, निर्बाध विद्युत आपूर्ति एवं बेहतर प्रकाश की व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाये। पावर बैकअप के लिए जेनरेटर की भी व्यवस्था रहे। कक्ष निरीक्षकों की अच्छी तरह से ब्रीफिंग और ट्रेनिंग करा दी जाये। परीक्षा के दौरान सभी अधिकारी भ्रमणशील रहें। कोषागार से परीक्षा केन्द्रों तक प्रश्न पत्र को गाडी में पुलिस अभिरक्षा सहित प्रोटोकाल का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करते हुए ले जाया जाए।अभ्यर्थियों के बैग आदि रखने के लिए क्लॉकरूम की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होने निर्देश दिए कि परीक्षा केन्द्र के अंदर मोबाइल, यूएसबी ड्राइव, कैमरा, वाच, चाबियां, ब्लूटूथ, डिजिटल पैन, हैल्थ बैण्ड आदि इलैक्ट्रानिक गैजेट्स पूर्ण प्रतिबंध होंगे। केवल पेन, प्रवेश पत्र एवं आईडी कार्ड के साथ ही अभ्यर्थी परीक्षा केन्द्र के अंदर प्रवेश कर सकेंगे। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने बताया कि समस्त परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की ड्यूटी लगा दी गई है। उन्होंने आने वाले अभ्यर्थियों के लिए पार्किंग और यातायात की उचित व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कार्यदाई संस्था को निर्देशित किया कि सीसीटीवी इस तरह लगाए जाए कि केंद्र का प्रत्येक हिस्सा कवर हो जाए। उन्होंने बस स्टॉप, रेलवे स्टेशन और जोया पुलिस चौकी पर परीक्षा सहायता केंद्र बनाने के निर्देश दिए। परीक्षा केंद्रों में किसी भी संदिग्ध सामग्री के प्रवेश को रोकने के लिए गहन चेकिंग सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में अपर जिला मजिस्ट्रेट गरिमा सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया, भर्ती बॉर्ड से आए पर्यवेक्षक विक्रांत द्विवेदी, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ0 प्रवेश कुमार, सैक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केन्द्र व्यवस्थापक सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

दिनेश यादव बने अमरोहा के नए अधिशासी अधिकारी जनसमस्याओं के समाधान को बताया पहली प्राथमिकता

अमरोहा (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद में नवागत अधिशासी अधिकारी दिनेश यादव ने गुरुवार को कार्यभार ग्रहण कर लिया। अमरोहा के अधिशासी अधिकारी डॉ बृजेश कुमार जी का स्थानांतरण होने के बाद उनकी जगह मऊ जनपद से अमरोहा पहुंचे दिनेश यादव अमरोहा के नए इ ओ बन गये है कार्यभार संभालने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ आम जनता तक पहुंचाना और नगर की समस्याओं

का त्वरित समाधान उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने शहर की सफाई व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए विशेष अभियान चलाने की बात कही। कार्यभार ग्रहण के दौरान नगर पालिका के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। नवागत अधिशासी अधिकारी ने कहा कि नगर क्षेत्र में सफाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा तथा जनता की शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने नगर के विकास कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता बनाए रखने पर भी जोर दिया।

पंचायत सचिवालय परिसर में किया गया पौधरोपण, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

अमरोहा (सब का सपना):- वृक्ष लगाओ, जीवन बचाओ अभियान के तहत बुधवार को जिले के पंचायत सचिवालय परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्राम पंचायत अधिकारी राजपाल सिंह के नेतृत्व में पंचायत कर्मियों ने अलग-अलग प्रकार के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। ग्राम पंचायत अधिकारी राजपाल सिंह ने कहा कि पेड़-पौधे ही धरती का असली श्रृंगार हैं। बढ़ते तापमान,

प्रदूषण और जल संकट से निपटने के लिए हर व्यक्ति को कम से कम एक पेड़ जरूर लगाना चाहिए। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि लगाए गए पौधों को अपना समझकर उनकी देखभाल करें।

राजपाल सिंह ने बताया कि पंचायत स्तर पर पौधरोपण को जनआंदोलन बनाया जाएगा। हर परिवार को पौधे वितरित कर उनकी जियो टैगिंग भी कराई जाएगी। कार्यक्रम के दौरान सचिवालय परिसर में राजपाल सिंह ग्राम पंचायत अधिकारी, मनोज कुमार सफाई कर्मचारी और अन्य पंचायत कर्मी भी मौजूद रहे

सड़कों पर आवारा गायों का आतंक, गौचर भूमि पर अवैध कब्जों से बिगड़े हालात

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- हसनपुर क्षेत्र में आवारा गायों के झुंड सड़कों पर हादसों की वजह बन रहे हैं। मुख्य मार्गों से लेकर गांव की गलियों तक गायों का जमावड़ा लगा रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गौचर भूमि पर अवैध कब्जों के चलते पशुओं के सामने चारे का संकट खड़ा हो गया है। हसनपुर-मुरादाबाद और हसनपुर-गजरौला, हसनपुर-अलीगढ़ मार्ग पर रोजाना दर्जनों गायें सड़क के बीचोंबीच बैठी मिल जाती हैं। तेज रफ्तार वाहनों के अचानक सामने आने से कई बार टक्कर हो चुकी है। रात के समय यह खतरा और बढ़ जाता है। बीते सप्ताह ही हाईवे पर एक बाइक सवार गाय से टकराकर घायल हो गया था। राजस्व रिकॉर्ड में हर गांव में पशुओं के चरने के लिए गौचर भूमि दर्ज है। लेकिन हसनपुर तहसील के कई गांवों में इस जमीन पर खेती हो रही है। चारागाह खत्म होने से गायें पेट भरने के लिए सड़कों और खेतों का रुख कर रही हैं। आवारा पशु रात में झुंड बनाकर खेतों में घुस जाते हैं और तैयार फसल को नुकसान पहुंचाते हैं। किसानों को रातभर रखवाली करनी पड़ रही है। कई बार गायों को भगाने को लेकर विवाद की स्थिति भी बन चुकी है। क्षेत्र में बनी गौशालाओं में क्षमता से अधिक पशु हैं। आरोप है कि चारे-पानी की कमी के चलते कई बार पशुओं को छोड़ दिया जाता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि गौचर भूमि को कब्जा मुक्त कराया जाए और गौशालाओं की व्यवस्था सुधारी जाए, ताकि सड़कों पर घूम रहे पशुओं को सुरक्षित स्थान मिल सके।

पांच साल पहले हुई चालक की हत्या के मामले में दोषियों को कोर्ट ने सुनाई 3 साल की सजा

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में 5 साल पहले हुई एक ट्रक चालक की हत्या के मामले में अमरोहा कोर्ट ने तीन दोषियों को उम्र कैद की सजा सुनाई है। यह मामला गजरौला थाना क्षेत्र से संबंधित है जहां एक ट्रक चालक की हत्या कर शव को तालाब में फेंक कर सामान चुराया गया था। बता दें कि मृतक संजय हरियाणा के रोहतक जनपद के सौंपला थाना क्षेत्र की पाकरमा गांव का निवासी था और पैसे से एक ट्रक चालक था। वह 31 जुलाई 2020 को ट्रक लेकर हरदोई गए थे इसके बाद उनका कोई पता नहीं चला।परिजनों ने संजय की तलाश शुरू की और गजरौला पहुंचे। उन्हें चौपला पुल के उतार पर जुबिलेंट फैक्टरी के पास संजय का ट्रक खड़ा मिला। कॉल डिटेल रिकॉर्ड (CDR) के आधार पर पुलिस ने 9 अगस्त 2020 को गजरौला के मोहल्ला आजाद नगर निवासी सूरज रावत और टीचर्स कॉलोनी निवासी अजय गुप्ता को हिरासत में लिया।पूछताछ के दौरान सूरज रावत और अजय गुप्ता ने गजरौला के मोहल्ला बस्ती

निवासी प्रदीप रावत के साथ मिलकर संजय की हत्या करने की बात स्वीकार की। उनकी निशानदेही पर चामुंडा मंदिर रेलवे फाटक के पास गन्ने के खेत के किनारे स्थित बूढ़े बाबा के तालाब से संजय का शव बरामद किया गया।हत्या के बाद दोषियों ने संजय का मोबाइल फोन, नकदी, ट्रक के पहिए और अन्य सामान चोरी कर लिया था। बाद में यह चोरी का सामान गजरौला के मोहल्ला मछली मंडी निवासी रिजवान और हसनपुर क्षेत्र के सिहाली जागीर निवासी साबिर को बेच दिया गया था।मृतक के भाई रामरूप की तहरीर पर पुलिस ने सूरज रावत, अजय गुप्ता, प्रदीप रावत, रिजवान और साबिर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर सभी को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। हालांकि, बाद में सभी आरोपी जमानत पर रिहा हो गए थे। मामले की सुनवाई अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश विशेष पॉक्सो एक्ट तृतीय की अदालत में चल रही थी। अभियोजन पक्ष की ओर से सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता रविंद्र गर्ग ने पैरवी की।साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर न्यायालय ने पांचों आरोपियों को दोषी करार दिया था।

बुधवार को सजा के बिंदु पर सुनवाई करते हुए सूरज रावत, अजय गुप्ता और प्रदीप रावत को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। वहीं, रिजवान और साबिर को तीन-तीन वर्ष के कारावास से दंडित किया गया। सभी दोषियों पर कुल 64 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया गया है।

निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के साथ की गई बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निदेर्शानुसार विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के निरन्तर पुनरीक्षण-2026 के अन्तर्गत Under Process एवं Unprocessed फार्म-6, 6E, 7 एवं 8 का ई०सी०आई० नेट पर निस्तारण किये जाने की समीक्षा हेतु समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गयी। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि कार्यालय मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश से निरन्तर पुनरीक्षण-2026 के अन्तर्गत प्राप्त हो रहे फार्म 6, 6ए, 7 एवं 8 की ई०सी०आई० नेट पर प्रोसेसिंग / निस्तारण से संबंधित

साप्ताहिक समीक्षा करते हुए बिना किसी औचित्य के 07 दिवस के भीतर ई०सी०आई० नेट पर फार्मों के प्रोसेसिंग की कार्यवाही नहीं किये जाने के संबंध में संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों का स्पष्टीकरण प्राप्त कर एनेक्जर-ए पर सूचना / विवरण प्रत्येक माह की 02 तारीख तक मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश को प्रेषित किये जाने के नवीनतम निर्देश प्राप्त हुए हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा बैठक में उपस्थित सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को 01अप्रैल 2026 से 27 मई 2026 तक की ई०सी०आई० नेट से प्राप्त फार्मों के प्रोसेसिंग एवं अण्डरप्रोसेस फार्म-6, 6ए, 7 एवं 8 की स्थिति से अवगत कराया गया। जिलाधिकारी / जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा बैठक में उपस्थित समस्त उपजिलाधिकारी / ई०आर०ओ० एवं समस्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को निर्देश दिये गये कि निरन्तर पुनरीक्षण-2026 में प्राप्त हो रहे फार्म-6, 6ए, 7 एवं 8 का ईसीआई नेट पोर्टल पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत निस्तारण कराना सुनिश्चित करें तथा अपने से संबंधित विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के अन्तर्गत ई०पी० रेशियों एवं जेण्डर रेशियों में अपेक्षित सुधार लाने के निर्देश दिये गये। उन्होंने कहा कि जितने भी पेंडेंसी है उसे खत्म करें और फॉर्म का डिस्पोजल ऐसा करें जिससे कोई आपत्ति ना आए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) गरिमा सिंह, उप जिलाधिकारी धनोरा, उप जिलाधिकारी अमरोहा, उप जिलाधिकारी नोगवाँ सादात, उप जिलाधिकारी हसनपुर, तहसीलदार, खंड विकास अधिकारी, आदि सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित है।

मंसूरपुर माफी में नई पुलिस चौकी का उद्घाटन, कानून-व्यवस्था को मिलेगी मजबूती

असमोली/संभल(सब का सपना):- जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से गुरुवार को थाना असमोली क्षेत्र के अंतर्गत नवीन पुलिस चौकी मंसूरपुर माफी का शुभारंभ किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार की गरिमामयी उपस्थिति में विधिवत पूजा-अर्चना के साथ संपन्न हुआ। विशेष बात यह रही कि मिशन शक्ति अभियान 5.0 के तहत स्थानीय विद्यालय की कक्षा दो की छात्रा जुनैरा अशरफ ने फीता काटकर पुलिस चौकी का उद्घाटन किया। इस पहल ने महिला सशक्तिकरण एवं बालिकाओं की समाज में बढ़ती भागीदारी का प्रेरणादायी संदेश दिया। कार्यक्रम में क्षेत्राधिकारी संभल कुलदीप कुमार, क्षेत्राधिकारी असमोली डॉ. प्रदीप कुमार सिंह सहित अन्य पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा क्षेत्र के नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर अधिकारियों ने आमजन को सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण तथा जनसहयोग के माध्यम से अपराध नियंत्रण के महत्व के प्रति जागरूक किया। साथ ही क्षेत्र में शांति, सौहार्द और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस एवं जनता के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि नवस्थापित पुलिस चौकी के संचालन से क्षेत्र में पुलिस की त्वरित पहुंच सुनिश्चित होगी। इससे अपराध नियंत्रण, जनसुनवाई, आपातकालीन सेवाओं की उपलब्धता तथा आम जनता की समस्याओं के शीघ्र निस्तारण में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी। स्थानीय लोगों ने भी नई पुलिस चौकी की स्थापना का स्वागत करते हुए इसे क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

कृषि फीडर पर 10 घंटे बिजली आपूर्ति की मांग, किसान यूनियन ने दी आंदोलन की चेतावनी

ऐचौड़ा कम्बोह/संभल(सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (असली) अराजनैतिक के पदाधिकारियों ने ऐचौड़ा कम्बोह विद्युत उपकेंद्र के उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर कृषि फीडरों पर निर्धारित समय के अनुसार विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि शासन के आदेशानुसार कृषिपोषक (कृषि) फीडरों पर किसानों को प्रतिदिन 10 घंटे विद्युत आपूर्ति मिलनी चाहिए, लेकिन वर्तमान में मात्र 4 घंटे ही बिजली मिल पा रही है। इसके अलावा बार-बार ट्रिपिंग की समस्या के कारण किसानों को और अधिक

परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, जिससे सिंचाई कार्य प्रभावित हो रहे हैं। किसान नेताओं ने मांग की कि शासन के निर्देशों के अनुरूप किसानों को प्रतिदिन 10 घंटे निर्बाध विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि आगामी दो दिनों के भीतर बिजली आपूर्ति व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया और निर्धारित समयानुसार सप्लाई नहीं दी गई, तो भारतीय किसान यूनियन (असली) अराजनैतिक आंदोलन एवं धरना-प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होगी। जिला उपाध्यक्ष लवकुश चौधरी ने कहा कि किसानों की फसलें सिंचाई के अभाव में प्रभावित हो रही हैं। ऐसे में विद्युत विभाग को किसानों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए तत्काल समाधान करना चाहिए। इस दौरान मनवीर सिंह, कुशल चौधरी, नरेश सिंह, पुनीत, मनोज कुमार, देवेंद्र सिंह, उपेंद्र सिंह, हेमपाल सिंह एवं नरेंद्र सिंह सहित कई किसान मौजूद रहे। किसानों ने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई कर कृषि फीडरों की विद्युत व्यवस्था में सुधार करने की मांग की है।

आइसक्रीम फैक्ट्री पर खाद्य सुरक्षा विभाग की छापेमारी, 1000 लीटर दूषित पानी नष्ट

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- ग्रीष्म एवं वर्षा ऋतु के दौरान खाद्य एवं पेय पदार्थों में मिलावट रोकने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने गुरुवार को चन्दौसी तहसील क्षेत्र के ग्राम मझोला स्थित एक आइसक्रीम निर्माण इकाई पर औचक निरीक्षण किया। कार्रवाई के दौरान कई अनियमितताएं मिलने पर विभाग ने सख्त कदम उठाए। निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मैसर्स ताज आइसक्रीम निर्माण इकाई का निरीक्षण किया। मौके पर मानव उपभोग एवं सार्वजनिक बिक्री

के लिए रखे गए आइसकैण्डी और चौकोबार फ्रोजन डेजर्ट में मिलावट की आशंका मिलने पर इनके नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए। जांच के दौरान निर्माण इकाई में करीब 1000 लीटर पानी अस्वच्छ एवं दूषित अवस्था में भंडारित पाया गया। खाद्य सुरक्षा टीम ने मौके पर ही उक्त पानी को नष्ट करा दिया। इसके अलावा फैक्ट्री में साफ-सफाई की व्यवस्था भी संतोषजनक नहीं मिली। अधिकारियों को निरीक्षण के समय आवश्यक दस्तावेज जैसे कर्मचारियों के चिकित्सीय प्रमाण पत्र, पेयजल जांच रिपोर्ट तथा अन्य अभिलेख भी उपलब्ध नहीं कराए गए। इस पर विभाग ने इकाई संचालक को नोटिस जारी करते हुए आवश्यक सुधार होने तक खाद्य कारोबार का संचालन बंद रखने के निर्देश दिए।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने स्पष्ट किया कि जनपद में मिलावटी एवं असुरक्षित खाद्य पदार्थों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा तथा उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

1978 दंगा पीड़ित परिवार को मिला आवासीय भूखंड, मंत्री ने किया भूमि पूजन

सम्भल(सब का सपना):- प्रदेश सरकार के सहकारिता विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं जनपद के प्रभारी मंत्री जे.पी.एस. राठौर ने गुरुवार को तहसील सम्भल के ग्राम शेरखां सराय में 1978 दंगा पीड़ित परिवार की सदस्य रुक्मन रस्तोगी को 100 वर्गमीटर आवासीय भूमि का पट्टाभिलेख प्रदान किया। इस दौरान वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच भूमि पूजन एवं भवन निर्माण के लिए नींव भी रखी गई। कार्यक्रम में आंजनेय कुमार सिंह, अंकित खंडेलवाल, कृष्ण कुमार बिश्नोई सहित जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। रुक्मन रस्तोगी और उनके पुत्र कपिल रस्तोगी ने भी वैदिक रीति-रिवाजों से भूमि पूजन किया। बताया गया कि वर्ष 1978 के सांप्रदायिक दंगों में रामशरण रस्तोगी की हत्या हो गई थी, जिसके बाद परिवार को सम्भल छोड़कर पलायन करना पड़ा था। गत वर्ष परिवार ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर अपनी समस्या रखी थी। मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रशासन ने ग्राम शेरखां सराय में आवासीय भूमि आवंटित की। जिलाधिकारी के निर्देश पर राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने आवंटित भूमि को कब्जामुक्त कराकर परिवार को सौंपा। अधिकारियों ने इसे दंगा प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। अपने संबोधन में मण्डलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह ने कहा कि दंगा प्रभावित परिवारों के मामलों का सत्यापन कर रिपोर्ट शासन को भेजी जा चुकी है। उन्होंने दंगों के कारण पलायन कर चुके अन्य परिवारों से भी उपलब्ध प्रमाणों के साथ प्रशासन से संपर्क करने की अपील की। प्रभारी मंत्री जे.पी.एस. राठौर ने कहा कि दंगा पीड़ित परिवारों के पुनर्वास की दिशा में यह एक ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सभी वर्गों को न्याय दिलाने और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

साथ ही अधिकारियों को अन्य पात्र परिवारों के मामलों का भी शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं क्षेत्र के नागरिकों की उपस्थिति रही।

विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण एवं विचार गोष्ठी का आयोजन

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आराध्या वूमेन एंड चाइल्ड वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में वृक्षारोपण कार्यक्रम एवं पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्था के सदस्यों एवं स्थानीय नागरिकों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्था की सचिव ने कहा कि पौधारोपण भविष्य की सुरक्षा का आधार है। वृक्ष केवल प्रकृति की सुंदरता नहीं बढ़ाते, बल्कि मानव जीवन के लिए प्राणवायु, स्वच्छ वातावरण और प्राकृतिक संतुलन के

प्रमुख स्रोत हैं। उन्होंने कहा कि आज लगाया गया प्रत्येक पौधा आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित, स्वस्थ एवं समृद्ध भविष्य की नींव है। संस्था की अध्यक्ष पूनम अरोड़ा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। वृक्षारोपण के माध्यम से पर्यावरण को सुरक्षित रखने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का रूप दें तथा प्रत्येक व्यक्ति कम से कम एक पौधा लगाकर उसके संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभाए। विचार गोष्ठी में पर्यावरण संतुलन, जल संरक्षण, जैव विविधता और हरित जीवनशैली जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण को बचाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है और छोटी-छोटी पहल भी बड़े बदलाव का कारण बन सकती हैं। कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण एवं अधिक से अधिक वृक्षारोपण के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ। इस अवसर पर दुर्गा टंडन, अनु गांधी, मीनू आहूजा, कृति, रजनी, जूही, हर्ष, मान्या महरोत्रा, रानी अरोड़ा, माला सहित संस्था के सदस्य एवं बड़ी संख्या में बच्चे उपस्थित रहे।

हज-2027 के लिए दिशा-निर्देश जारी, आवेदक अभी से तैयार रखें पासपोर्ट

बहजोई/संभल(सब का सपना):- हज-2027 की तैयारियों को लेकर हज कमेटी ऑफ इंडिया एवं हज कमेटी उत्तर प्रदेश द्वारा महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। जानकारी के अनुसार सऊदी अरब सरकार के हज एवं उमराह मंत्रालय ने हज-2027 की प्रारंभिक व्यवस्थाओं के लिए आवश्यक शर्तें एवं समय-सीमा निर्धारित की है। निदेशों के अनुसार हज-2027 की आधिकारिक घोषणा शीघ्र की जाएगी। हज यात्रा के लिए केवल मशीन पठित (Machine Readable) पासपोर्ट ही मान्य होंगे। हस्तलिखित पासपोर्ट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। हज-2027 के आवेदन के लिए आवेदक के पास ऐसा पासपोर्ट होना आवश्यक है जिसकी वैधता 31 दिसंबर 2027 तक हो। साथ ही नए पासपोर्ट बनवाते समय यह सुनिश्चित करना होगा कि पासपोर्ट में सरनेम या लास्ट नेम का कॉलम खाली न छोड़ा जाए। हज कमेटी ने सभी इच्छुक आवेदकों से अपील की है कि वे अपना मूल अंतरराष्ट्रीय पासपोर्ट पहले से तैयार रखें। जिन लोगों के पास 31 दिसंबर 2027 तक वैध पासपोर्ट उपलब्ध है, वे हज आवेदन के लिए तैयार रहें। वहीं जिनके पास निर्धारित अवधि तक वैध पासपोर्ट नहीं है, वे तत्काल नया पासपोर्ट बनवाने की प्रक्रिया शुरू कर दें। अधिकारियों ने बताया कि हज-2027 की घोषणा होते ही ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू की जा सकती है। ऐसे में इच्छुक आवेदकों को किसी प्रकार की परेशानी से बचने के लिए अभी से आवश्यक दस्तावेज तैयार रखने चाहिए, ताकि आवेदन के समय कोई बाधा न आए।

रजबपुर में विवाहिता को घर से निकालने का मामला,8 महिने पहले हुआ था प्रेम विवाह

रजबपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के रजबपुर थाना क्षेत्र में एक विवाहिता को उसके पति द्वारा दूसरी शादी करने की मंशा से एवं दहेज के लालच में घर से निकालने का मामला सामने आया है।इस मामले में पति पर आरोप है कि वह दूसरी शादी करना चाहता है साथ ही वह दहेज की भी मांग करता है जिसके लिए वह आए दिन विवाहिता को प्रताड़ित करता है। इस मामले में पुलिस ने संज्ञान लेते हुए मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। बता दें कि इस मामले में प्राप्त

जानकारी के मुताबिक दिल्ली निवासी युवती का करीब आठ माह पहले रजबपुर थाना क्षेत्र के हाकमपुर गांव निवासी एक युवक से प्रेम विवाह हुआ था। विवाह के समय कोई दान-दहेज नहीं दिया गया था।विवाहिता का आरोप है कि समय बीतने के साथ ससुरालियों में दहेज का लालच बढ़ने लगा। पति उस पर दूसरी शादी करने का दबाव बनाने लगा ताकि उसे दहेज मिल सके। इसके बाद विवाहिता के साथ कथित तौर पर अभद्रता की जाने लगी और उसे घर से निकाल दिया गया।घर से निकाले जाने के बाद पीड़िता बृहस्पतिवार को रजबपुर थाने पहुंची और अपनी आपबीती सुनाई। रजबपुर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दोनों पक्षों को थाने बुलाया है।पपसरा चौकी प्रभारी जितेंद्र कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों को बुलाकर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

गजरौला निवासी अधिवक्ता डॉ रविंद्र शुक्ला ने की प्रेसवार्ता

अपनी जान को बताया खतरा,अधिकारियों से लगाई सुरक्षा की गुहार

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के नगर कोतवाली गजरौला निवासी एक अधिवक्ता डॉ रवींद्र शुक्ला ने गुरुवार को एक प्रेस वार्ता की जिसमें उन्होंने बताया कि उनको कुछ लोगों से अपनी जान का खतरा है उन्होंने कहा कि ये वो लोग हैं जो उनसे रंजिश रखते हैं और उन्हें लगातार धमकियां दे रहे हैं। अपनी सुरक्षा को लेकर उन्होंने उच्चअधिकारियों से सुरक्षा की गुहार लगाई है। बता दें कि गुरुवार को आयोजित की गई प्रेसवार्ता में डॉ. शुक्ला ने कहा कि शहर और आसपास के दो-तीन व्यक्ति उनके प्रति द्वेष भावना रखते हैं और उनकी हत्या की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने अपनी जान को खतरा महसूस करते हुए पुलिस

प्रशासन के उच्च अधिकारियों से शिकायत की है।अधिवक्ता ने बताया कि उन्होंने पुलिस अधीक्षक (एसपी) सहित अन्य उच्चाधिकारियों को लिखित शिकायत दी है। इसमें उन्होंने अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने और मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।डॉ. शुक्ला ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते उचित कार्रवाई नहीं की गई, तो कोई अप्रिय घटना घट सकती है।

उन्होंने प्रशासन से अपनी शिकायत को गंभीरता से लेने और दोषी लोगों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई कर उन्हें सुरक्षा उपलब्ध कराने की अपील की।उन्होंने यह भी कहा कि वह कानून का सम्मान करते हैं और न्यायिक प्रक्रिया पर पूरा विश्वास रखते हैं। इस मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है।

प्रेमी के साथ मिलकर लूट की झूठी कहानी रचने वाली महिला सहित दो गिरफ्तार

जुनावई/संभल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र में लूट की झूठी सूचना देकर पुलिस को गुमराह करने और पति के बनवाए गए जेवर हड़पने की साजिश रचने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए महिला और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार ग्राम घनसेमर निवासी गीता शर्मा पत्नी पप्पू शर्मा ने बुधवार को थाना जुनावई में तहरीर देकर बताया था कि वह अपने 12 वर्षीय पुत्र आदित्य के साथ ससुराल घनसेमर से अपने मायके केरई सेरई (जनपद बदायूं) जा रही थी। रास्ते में मड़िकावली से पीरबहादुर मार्ग पर बाइक सवार तीन अज्ञात बदमाशों ने उसकी स्कूटी रोक ली और चाकू

दिखाकर कानों की झुमकी, टॉप्स, सोने की अंगूठी तथा पैरों की पोब लूटकर फरार हो गए। तहरीर के आधार पर थाना जुनावई में अज्ञात तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। विवेचना के दौरान पुलिस को महिला के बयान और घटनास्थल से जुड़े तथ्यों में कई विरोधाभास मिले। गहन पूछताछ और साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने पाया कि कथित लूट की घटना पूरी तरह से मनगढ़ंत थी। जांच में सामने आया कि गीता शर्मा का अपने गांव के ही मनोज शर्मा पुत्र कुवर पाल शर्मा के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। महिला ने अपने प्रेमी के कहने पर अपने जेवर उसे दे दिए थे। इसके बाद दोनों ने मिलकर एक झूठी लूट की कहानी गढ़ी और पुलिस में मुकदमा दर्ज करा दिया। पुलिस के अनुसार दोनों का उद्देश्य किसी व्यक्ति को झूठे मामले में फंसाना तथा महिला के पति द्वारा बनवाए गए जेवरों को हड़पना था। मामले का खुलासा होने के बाद थाना जुनावई पुलिस ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए गीता शर्मा और उसके प्रेमी मनोज शर्मा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस दोनों से पूछताछ कर आगे की वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि झूठी सूचना देकर कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने तथा पुलिस को गुमराह करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अमरोहा
शुक्रवार 05 जून 2026
www.sabkasapna.com

बिजनौर/बुलंदशहर

हिंदी दैनिक
सब का सपना 5

सत्ता परिवर्तन यात्रा से पहले सांसद चंद्रशेखर आजाद नजरबंद, कार्यकर्ताओं में रोष

बिजनौर (सब का सपना):- आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) की प्रस्तावित "सत्ता परिवर्तन यात्रा" शुरू होने से पहले नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद को उनके आवास पर पुलिस द्वारा नजरबंद किए जाने की सूचना से जिले का राजनीतिक माहौल गर्मा गया। प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में नाराजगी देखी गई, जबकि सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया। जानकारी के अनुसार आजाद समाज पार्टी द्वारा बिजनौर से "सत्ता परिवर्तन यात्रा" की शुरूआत की जानी थी। पार्टी का दावा है कि यात्रा का उद्देश्य प्रदेश भर में दलितों, पिछड़ों, युवाओं, किसानों और वंचित वर्गों की आवाज को मजबूत करना है। यात्रा के शुभारंभ से पहले ही प्रशासन ने कानून-व्यवस्था का हवाला देते हुए सांसद चंद्रशेखर आजाद की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया और उन्हें आवास से बाहर निकलने से रोक दिया। इस घटनाक्रम के बाद आजाद समाज पार्टी के पदाधिकारियों ने प्रशासनिक कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। पार्टी नेताओं का कहना है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांतिपूर्ण तरीके से यात्रा निकालना और जनता के बीच अपनी बात रखना प्रत्येक राजनीतिक दल का अधिकार है। उन्होंने आरोप लगाया कि राजनीतिक दबाव के चलते इस कार्यक्रम को रोकने का प्रयास किया गया है। नगीना लोकसभा क्षेत्र से सांसद बनने के बाद चंद्रशेखर आजाद का राजनीतिक प्रभाव पश्चिमी उत्तर प्रदेश में तेजी से बढ़ा है। इसी कड़ी में पार्टी आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर भी सक्रिय नजर आ रही है। चांदपुर विधानसभा क्षेत्र में पार्टी के प्रमुख नेता शेरबाज पठान लगातार जनसंपर्क अभियान चलाकर संगठन को मजबूत करने में जुटे हुए हैं। वहीं नजीबाबाद विधानसभा क्षेत्र में खुर्शीद मंसूरी भी क्षेत्रीय स्तर पर पार्टी की गतिविधियों को गति दे रहे हैं और कार्यकताओं को संगठित करने का कार्य कर रहे हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि "सत्ता परिवर्तन यात्रा" को लेकर पार्टी ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अपनी ताकत दिखाने की रणनीति बनाई थी। ऐसे में यात्रा शुरू होने से पहले हुई प्रशासनिक कार्रवाई ने इस कार्यक्रम को और अधिक चचाओं में ला दिया है। हालांकि प्रशासन का कहना है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना उसकी प्राथमिक जिम्मेदारी है और उसी के तहत आवश्यक कदम उठाए गए हैं। फिलहाल बिजनौर में स्थिति शांतिपूर्ण बताई जा रही है, लेकिन राजनीतिक हलकों में इस कार्रवाई को लेकर चर्चा तेज है। सभी की निगाहें अब सांसद चंद्रशेखर आजाद और आजाद समाज पार्टी की आगामी रणनीति पर टिकी हुई हैं।

अवैध संबंधों के शक में युवक की हत्या, दो आरोपी गिरफ्तार

गुमशुदगी से खुला हत्या का राज, आधार कार्ड छिपाकर पहचान मिटाने की थी कोशिश

बिजनौर (सब का सपना):- धामपुर थाना क्षेत्र के गांव पाडली मांडू में लापता हुए युवक शुभम सैनी की हत्या का सनसनीखेज खुलासा करते हुए पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस जांच में सामने आया कि कथित अवैध संबंधों और बदनामी के डर को लेकर युवक की गला दबाकर हत्या कर दी गई थी। आरोपियों ने शव को गांव के कब्रिस्तान के पीछे नहर के पास फेंक दिया और पहचान छिपाने के लिए उसका आधार कार्ड भी अलग कर दिया था। पुलिस के अनुसार 2 जून को ओमप्रकाश सैनी ने अपने 25 वर्षीय पुत्र शुभम सैनी के लापता होने की सूचना थाना धामपुर में दी थी। सूचना के आधार पर गुमशुदगी दर्ज कर पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ शुरू की। अगले दिन शुभम के पिता ने गांव के ही वीरेंद्र सिंह, उसके पुत्र अंकुश और गौरव के खिलाफ हत्या की आशंका जताते हुए तहरीर दी, जिस पर मुकदमा दर्ज कर जांच तेज कर दी गई। 4 जून को पुलिस ने मामले में वांछित आरोपी अंकुश और गौरव को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि शुभम के अंकुश की पत्नी से संबंध होने की चर्चा गांव में फैल गई थी। इस बात को लेकर दोनों पक्षों में तनाव था। आरोपियों ने स्वीकार किया कि इसी विवाद के चलते शुभम की गला दबाकर हत्या कर दी गई। बाद में शव को कब्रिस्तान के पीछे नहर किनारे फेंक दिया गया। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने पहचान मिटाने के उद्देश्य से मृतक का आधार कार्ड भी निकाल लिया था। पूछताछ के बाद उनकी निशानदेही पर आधार कार्ड बरामद कर लिया गया है। साक्ष्य छिपाने के आरोप में मुकदमे में धारा 238 बीएनएस की बढ़ोतरी की गई है। पुलिस ने बताया कि मामले का एक अन्य आरोपी अभी फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

विधानसभा चुनाव 2027 नूरपुर सीट से ओमकारी यादव ने सपा से ठोकी दावेदारी

नूरपुर/बिजनौर (सब का सपना):- आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज होने लगी हैं। इसी क्रम में नूरपुर विधानसभा क्षेत्र-24 से समाजवादी पार्टी की संभावित प्रत्याशी के रूप में ग्राम मेवा नवादा निवासी ओमकारी यादव ने अपनी दावेदारी पेश कर दी है। उनके चुनावी मैदान में उतरने की घोषणा के बाद क्षेत्र में राजनीतिक चचाओं का दौर शुरू हो गया है।ओमकारी यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी की पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) नीति को गांव-गांव तक पहुंचाने और संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से उन्होंने विधानसभा चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है। उनका दावा है कि क्षेत्र में उन्हें विभिन्न वर्गों का व्यापक समर्थन प्राप्त है और बड़ी संख्या में मतदाता उनके साथ जुड़े हुए हैं।उन्होंने बताया कि इससे पूर्व भी वर्ष 2017 और 2022 के विधानसभा चुनावों में उन्होंने समाजवादी पार्टी से टिकट की दावेदारी प्रस्तुत की थी। इस बार भी वह पूरी मजबूती के साथ संगठन के सामने अपनी बात रख रही हैं और कार्यकताओं के बीच लगातार जनसंपर्क कर रही हैं।ओमकारी यादव ने कहा कि पिछड़ा वर्ग, दलित और अल्पसंख्यक समाज को एकजुट होकर समाजवादी पार्टी को मजबूत बनाना होगा, जिससे पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में प्रदेश में सपा की सरकार बनाने का सपना साकार हो सके।राजनीतिक जानकारों का मानना है कि चुनाव में अभी काफी समय है, लेकिन विभिन्न दलों के संभावित उम्मीदवारों द्वारा दावेदारी पेश किए जाने से नूरपुर विधानसभा क्षेत्र में चुनावी माहौल बनना शुरू हो गया है। आने वाले समय में पार्टी नेतृत्व किसे उम्मीदवार बनाता है, इस पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

हल्दीराम के पैकेट में छिपाकर हो रही थी शराब तस्करी, पुलिस ने किया बड़ा खुलासा

250 क्वार्टर अवैध शराब के साथ अंतरराज्यीय सप्लायर गिरफ्तार, पीछा कर दबोचा

नई दिल्ली। अवैध शराब तस्करों ने पुलिस को चकमा देने के लिए ऐसा तरीका अपनाया कि पहली नजर में किसी को शक तक न हो। मशहूर नमकीन ब्रांड के "हल्दीराम पंजाबी तड़का" के पार्सल में शराब छिपाकर दिल्ली में सप्लाई की जा रही थी। लेकिन द्वारका जिला पुलिस की सतर्कता ने इस पूरे खेल का पदार्फाश कर दिया। स्पेशल स्टाफ की टीम ने एक अंतरराज्यीय शराब सप्लायर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 250 क्वार्टर अवैध देसी शराब बरामद की है। आरोपी शराब की खेप को मोटरसाइकिल पर रखकर दिल्ली में खपाने जा रहा था। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक युवक भारी मात्रा में अवैध शराब लेकर द्वारका क्षेत्र में आने वाला है। सूचना के आधार पर जाल बिछाया गया। जैसे ही संदिग्ध बाइक दिखाई दी, पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया। आरोपी ने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस टीम ने पीछा कर उसे प्रताप गार्डन इलाके में धर दबोचा। तलाशी के दौरान जब "हल्दीराम पंजाबी तड़का" लिखा हुआ पार्सल खोला गया तो उसके अंदर से 5 पेटी (250 क्वार्टर) अवैध शराब बरामद हुई। बरामद शराब हरियाणा में बिक्री के लिए थी और दिल्ली में अवैध रूप से सप्लाई की जानी थी। गिरफ्तार आरोपी की पहचान गोविंद (24) निवासी जेजे कॉलोनी, बिंदापुर के रूप में हुई है। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी पहले भी कानून के शिकंजे में आ चुका है
और उसके खिलाफ एक गंभीर आपराधिक मामला दर्ज है। पुलिस ने शराब की खेप और तस्करी में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया है। अब जांच इस बात पर केंद्रित है कि इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं तथा राजधानी में अवैध शराब की सप्लाई कहां-कहां की जा रही थी। द्वारका पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया है।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में कर्मचारियों की जांच, बांटे गए ईएसआईसी कार्ड

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद शिकारपुर द्वारा कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) एवं लक्ष्मी हॉस्पिटल बुलंदशहर के संयुक्त तत्वावधान में आउटसोर्सिंग कर्मचारियों और उनके परिजनों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में चिकित्सकों ने ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, हीमोग्लोबिन सहित विभिन्न स्वास्थ्य जांच कर दवाइयों का वितरण किया। अधिशासी अधिकारी नीतू सिंह एवं चेयरपर्सन राजबाला देवी सैनी ने कर्मचारियों को ईएसआईसी कार्ड वितरित किए तथा स्वास्थ्य योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी दी। शिविर में ईएसआईसी व लक्ष्मी हॉस्पिटल के चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

दिल्ली दंगा मामला: मोहम्मद अनवर हत्याकांड में पांच आरोपी बरी, सबूतों के अभाव में अदालत का फैसला

पूर्वी दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली में वर्ष 2020 के दंगों के दौरान हुई मोहम्मद अनवर की हत्या के मामले में दिल्ली की एक अदालत ने पांचों आरोपितों को बरी कर दिया है। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपितों के खिलाफ संदेह से परे आरोप साबित करने में विफल रहा है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रवीन सिंह ने 84 पन्नों के फैसले में कहा कि अभियोजन पक्ष के साक्ष्यों और गवाहों के बयानों में कई गंभीर विसंगतियां हैं। ऐसे में आरोपितों को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। क्या है पूरा मामला? मामला 25 फरवरी 2020 को करावल नगर के शिव विहार इलाके में हुई मोहम्मद अनवर की हत्या से जुड़ा है। अभियोजन पक्ष के अनुसार दंगों के दौरान अनवर पर हमला किया गया, उन्हें गोली मारी गई और बाद में शव को जला दिया गया। अदालत ने माना कि डीएनए जांच से यह साबित हुआ कि बरामद अवशेष अनवर के ही थे और उनकी मौत हत्या के कारण हुई थी, लेकिन इससे आरोपितों की संलिप्तता साबित नहीं होती। अभियोजन पक्ष ने मुख्य रूप से मृतक के भाई और शिकायतकर्ता सलीम कस्सार की गवाही पर भरोसा किया था। हालांकि अदालत ने पाया कि जिस स्थान से कस्सार ने घटना देखने का दावा किया था, वहां से घटनास्थल दिखाई ही नहीं देता था। कोर्ट ने क्या कहा? फैसले में अदालत ने सलीम कस्सार की गवाही में गंभीर विरोधाभास और असंगतियां होने की बात कही। वहीं, एक संरक्षित गवाह और अन्य प्रमुख गवाह सद्दाम की गवाही को भी अविश्वसनीय माना गया।
अदालत ने कहा कि उपलब्ध साक्ष्य आरोपितों के खिलाफ पर्याप्त नहीं हैं, इसलिए उन्हें बरी किया जाता है। कड़कड़डूमा कोर्ट ने लखपत, कुलदीप पुत्र मंगल सेन, योगेश, ललित और कुलदीप पुत्र श्याम बाबू को बरी कर दिया। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोप साबित करने में असफल रहा, इसलिए सभी आरोपियों को संदेह का लाभ दिया जाता है।

खाद के लिए किसानों की लंबी कतारें, घंटों इंतजार को मजबूर

जहांगीराबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- खरीफ फसलों की बुवाई के चलते नवीन मंडी स्थित इफको केंद्र पर खाद लेने के लिए किसानों की भारी भीड़ उमड़ रही है। सुबह से ही सैकड़ों किसान, महिलाएं एवं बुजुर्ग लंबी कतारों में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए। किसानों का कहना है कि खाद की बढ़ती मांग के कारण उन्हें घंटों लाइन में लगना पड़ रहा है। किसानों ने प्रशासन से खाद वितरण व्यवस्था को सुचारु बनाने की मांग की है। इस संबंध में जिला कृषि अधिकारी रामकुमार यादव से संपर्क का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे बात नहीं हो सकी।

दिल्ली हाई कोर्ट से फिटजी को बड़ी राहत, ईडी ने बिना शर्त वापस ली प्रेस रिलीज

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट में फिटजी और उसके निदेशकों के खिलाफ जारी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की प्रेस रिलीज को लेकर एजेंसी को बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने रिकॉर्ड पर लिया कि ईडी द्वारा 26 अप्रैल 2025 को जारी अपनी प्रेस रिलीज को बिना शर्त वापस ले लिया है। यह प्रेस रिलीज ईडी के लखनऊ जोनल ऑफिस द्वारा फिटजी के नोएडा और दिल्ली स्थित दफ्तरों तथा कुछ निदेशकों और अधिकारियों के आवासों पर की गई तलाशी के बाद जारी की गई थी। इसमें फिटजी और उसके अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए गए थे। फिटजी ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर आरोप लगाया था कि ईडी की प्रेस रिलीज दुर्भावनापूर्ण, मानहानिकारक और तथ्यों से परे थी। संस्थान का कहना था कि एजेंसी ने बिना किसी ठोस साक्ष्य के कई आरोप और अनुमान पेश किए। याचिकाकताओं ने यह भी कहा कि प्रेस रिलीज में जिस प्रारंभिक विश्लेषण रिपोर्ट (प्रारंभिक विश्लेषण रिपोर्ट) का हवाला दिया गया था, ऐसी कोई रिपोर्ट वास्तव में मौजूद ही नहीं थी। साथ ही यह प्रेस रिलीज गृह मंत्रालय (हेक्टेयर) के 1 अप्रैल 2010 के कार्यालय ज्ञापन के भी खिलाफ थी। सुनवाई के दौरान दिल्ली हाईकोर्ट ने प्रारंभिक तौर पर माना कि ईडी की प्रेस रिलीज उक्त दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करती है। कोर्ट ने एजेंसी से पूछा कि क्या वह प्रेस रिलीज में संशोधन करना चाहती है या मामले पर मेरिट के आधार पर सुनवाई कराना चाहती है। इस दौरान ईडी की ओर से यह स्वीकार किया गया कि कथित 'प्रारंभिक विश्लेषण रिपोर्ट' मौजूद नहीं है और एजेंसी आरोपों को प्रथम दृष्टया साबित करने में असमर्थ रही। इसके बाद ईडी के वकील ने कोर्ट को बताया कि एजेंसी ने निर्देश लेकर विवादित प्रेस रिलीज को बिना शर्त वापस लेने का फैसला किया है। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि प्रेस रिलीज वापस लेकर ईडी ने उन 'गंभीर परिणामों; से खुद को बचा लिया, जिनका सामना एजेंसी को करना पड़ सकता था यदि कोर्ट मामले का फैसला मेरिट पर करता।

प्रभारी मंत्री सुरेंद्र दिलेर का जनपद आगमन पर किया गया स्वागत

बुलन्दशहर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री एवं जनपद बुलन्दशहर के नवनियुक्त प्रभारी मंत्री सुरेंद्र दिलेर के प्रथम जनपद आगमन पर सर्किट हाउस में भाजपा पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने पुलिस द्वारा प्रस्तुत गार्ड ऑफ ऑनर भी स्वीकार किया।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश विकास और सुशासन के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि बुलन्दशहर को विकास की नई ऊँचाइयों तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है तथा जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जाएगा।भाजपा जिलाध्यक्ष विकास चौहान ने कहा कि सुरेंद्र दिलेर के नेतृत्व में जनपद में विकास कार्यों को नई गति मिलेगी और सरकार की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन होगा। कार्यक्रम में विधायक, जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, भाजपा पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

6 सब का सपना
हिंदी दैनिक
बुलंदशहर/दिल्ली
अमरोहा
शुक्रवार 05 जून 2026
www.sabkasapna.com

खबर एक्सप्रेस

पंजाब के अहम पदों पर बाहरी नियुक्तियों का आरोप, सुखबीर बादल बोले- संसाधनों पर कब्जे की कोशिश

चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने आम आदमी पार्टी सरकार पर पंजाब के महत्वपूर्ण पदों पर बाहरी राज्यों के लोगों को नियुक्त करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि राज्य के संसाधनों और संस्थाओं पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश से जुड़े लोगों को अहम जिम्मेदारियां सौंपी जा रही हैं।

सुखबीर बादल का आरोप है कि योग्य पंजाबी अधिकारियों और विशेषज्ञों की अनदेखी की जा रही है। बादल ने पंजाब सरकार की नियुक्तियों को लेकर आम आदमी पार्टी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पार्टी अपनी कथित "लूट एंड स्कूट" नीति के तहत पंजाब के प्रमुख संस्थानों में बाहरी लोगों की नियुक्तियां कर रही है।सुखबीर बादल ने हाल ही में हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव संजय गुप्ता को पंजाब राज्य विद्युत नियामक आयोग (पीएसईआरसी) का चेयरमैन नियुक्त किए जाने पर सवाल उठाए।पंजाब के दावेदारों को बाहर करने के आरोप उन्होंने आरोप लगाया कि चयन प्रक्रिया के लिए ऐसा मानदंड तैयार किया गया जिससे पंजाब के दावेदार बाहर हो गए और संजय गुप्ता की नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया। बादल ने यह भी दावा किया कि गुप्ता के खिलाफ कुछ मामले लंबित होने के बावजूद उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई।अकाली दल अध्यक्ष ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने पिछले कुछ वर्षों में दिल्ली और अन्य राज्यों से जुड़े कई लोगों को पंजाब के विभिन्न संस्थानों में अहम पदों पर नियुक्त किया है। उन्होंने पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की चेयरपर्सन रीना गुप्ता, पंजाब डेवलपमेंट कमीशन में सीमा बंसल, अनुराग कुंदू, शोइकत रॉय और वैभव महेश्वरी, मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार विभव कुमार, वित्तीय मामलों के सलाहकार अरविंद मोदी और सेबेस्टियन जेम्स, पंजाब इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट बोर्ड के चेयरमैन दीपक चौहान, पंजाब मानवाधिकार आयोग के चेयरमैन संत प्रकाश तथा पंजाब तीर्थ यात्रा समिति के चेयरमैन कमल बंसल के नाम गिनाते हुए सरकार को घेरा।आरोप- दिल्ली नेतृत्व का प्रभाव बढ़ाया बादल ने आरोप लगाया कि इन नियुक्तियों का उद्देश्य पंजाब के प्रशासनिक और आर्थिक ढांचे पर दिल्ली नेतृत्व का प्रभाव बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि पंजाब के संसाधनों और संस्थाओं पर पंजाबियों का अधिकार होना चाहिए और राज्य के हितों से जुड़े फैसले स्थानीय लोगों की भागीदारी से लिए जाने चाहिए। अकाली दल अध्यक्ष ने पंजाब के लोगों से शिरोमणि अकाली दल का समर्थन करने की अपील करते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि इस व्यवस्था को बदला जाए और पंजाब के संसाधनों पर पंजाबियों का नियंत्रण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि अकाली दल हमेशा पंजाब, पंजाबी और पंजाबियत की आवाज उठाता रहा है और आगे भी उठाता रहेगा।सुखबीर बादल के मुख्य आरोप पंजाब के अहम पदों पर बाहरी राज्यों के लोगों की नियुक्ति। चयन प्रक्रिया को कथित तौर पर विशेष व्यक्तियों के अनुकूल बनाया गया। पंजाब के योग्य उम्मीदवारों की अनदेखी। राज्य के संसाधनों और संस्थाओं पर बाहरी प्रभाव बढ़ाने की कोशिश। पंजाबियों से अकाली दल के समर्थन की अपील।

क्या आप भी खा रहे हैं घटिया मिल्क प्रोडक्ट्स? दूध और पनीर की जांच में बड़ा खुलासा, 12 में से 8 नमूने फेल

अमृतसर। अमृतसर में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा चलाए गए विशेष अभियान के दौरान विभिन्न डेयरियों से लिए गए दूध और दुग्ध उत्पादों के नमूनों की जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। जांच रिपोर्ट के अनुसार कुल 12 नमूनों में से 8 नमूने निर्धारित मानकों पर खरे नहीं उतरे। इतना ही नहीं, इनमें दो नमूने मानव उपभोग के लिए असुरक्षित पाए गए, जबकि छह नमूने गुणवत्ता के निर्धारित मानकों से कम पाए गए हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित डेयरियों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है। विभाग का कहना है कि उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।21 मई को लिए गए थे सेंपल सहायक आयुक्त खाद्य डॉ. जी.एस. पन्नू ने बताया कि पंजाब खाद्य एवं औषधि प्रशासन के निदेर्शों पर 21 मई को शहर की विभिन्न डेयरियों से दूध, पनीर, दही और अन्य दुग्ध उत्पादों के कुल 12 नमूने एकत्र किए गए थे। इन नमूनों को जांच के लिए खरड़ स्थित प्रयोगशाला भेजा गया था। जांच रिपोर्ट आने के बाद पता चला कि केवल चार नमूने ही निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पाए गए।जानें किनके सेंपल हुए पास व फेल रिपोर्ट के अनुसार रामतीर्थ मार्ग स्थित गिल डेयरी से लिए गए पनीर के दो नमूनों में से एक नमूना मानव उपभोग के लिए असुरक्षित पाया गया, जबकि दूसरा निम्न गुणवत्ता का निकला। पुतलीघर स्थित गुरु नानक डेयरी से लिया गया दूध का नमूना भी गुणवत्ता मानकों पर खरा नहीं उतरा। इसी तरह गुरु डेयरी से लिए गए दूध और पनीर के नमूने भी निर्धारित स्तर से नीचे पाए गए। जांच में शर्मा डेयरी का दही तथा छाबड़ा डेयरी का पनीर भी निम्न गुणवत्ता का पाया गया। इसके अलावा इंडिया गेट क्षेत्र स्थित ढिल्लों डेयरी से लिया गया पनीर का नमूना मानव उपभोग के लिए असुरक्षित घोषित किया गया है। यह तथ्य सबसे अधिक चिंताजनक माना जा रहा है क्योंकि ऐसे उत्पादों के सेवन से लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।कानूनी कार्रवाई करेगा सेहत विभाग खाद्य सुरक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिन डेयरियों के नमूने फेल पाए गए हैं, उनके खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि खाद्य पदार्थों में मिलावट या गुणवत्ता से समझौते को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। डॉ. पन्नू ने उपभोक्ताओं से भी सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि दूध, पनीर, दही और अन्य खाद्य पदार्थ खरीदते समय गुणवत्ता, स्वच्छता और विश्वसनीयता का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। लोगों को केवल भरोसेमंद विक्रेताओं से ही खाद्य सामग्री खरीदनी चाहिए। खाद्य सुरक्षा विभाग का यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। अधिकारियों का कहना है कि समय-समय पर बाजार से नमूने लेकर जांच की जाएगी ताकि लोगों तक सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ पहुंच सकें।

ऑपरेशन ब्लू स्टार बरसी से पहले अकाल तख्त साहिब पर आरंभ हुआ अखंड पाठ, प्रदर्शनी में जून 1984 की यादें हुईं ताजा

अमृतसर। ऑपरेशन ब्लू स्टार की बरसी के अवसर पर 6 जून को आयोजित होने वाले श्रद्धांजलि समागम की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसी क्रम में वीरवार को श्री अकाल तख्त साहिब में श्री अखंड पाठ साहिब का आरंभ किया गया। यह पाठ जून 1984 में श्री हरिमंदिर साहिब और श्री अकाल तख्त साहिब परिसर में हुए सैन्य अभियान के दौरान मारे गए लोगों की स्मृति को समर्पित है। श्री अखंड पाठ साहिब के आरंभ अवसर पर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी, तख्त श्री दमदमा साहिब के जत्थेदार ज्ञानी टेक सिंह सहित कई धार्मिक और प्रबंधकीय हस्तियां मौजूद रहीं। इस दौरान बड़ी संख्या में संगत ने भी हाजिरी लगाई और शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। धामी ने सप्ताह को बताया पीड़ादायक

एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने कहा कि जून का पहला सप्ताह सिख समुदाय के इतिहास का अत्यंत संवेदनशील और पीड़ादायक दौर माना जाता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1984 में तत्कालीन केंद्र सरकार द्वारा श्री हरिमंदिर साहिब, श्री अकाल तख्त साहिब और अन्य गुरुद्वारा साहिबानों में की गई सैन्य कार्रवाई ने सिख समुदाय को गहरे घाव दिए थे। उन्होंने कहा कि इस घटना की यादें आज भी सिख मन में जीवित हैं और इन्हें भुलाया नहीं जा सकता।धामी ने कहा

कि उस सैन्य अभियान के दौरान अनेक लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। उन्होंने यह भी कहा कि श्री गुरु ग्रंथ साहिब के पावन स्वरूपों को भी गोलियां लगने से नुकसान पहुंचा था। यही कारण है कि हर वर्ष इस अवधि के दौरान विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित कर शहीदों और पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी जाती है।बंदी सिखों की रिहाई का मुद्दा उठाया

एसजीपीसी अध्यक्ष ने इस अवसर पर बंदी सिखों की रिहाई का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि कई सिख लंबे समय से विभिन्न जेलों में बंद हैं। उन्होंने सरकार से अपील की कि मानवीय आधार पर ऐसे मामलों पर विचार कर उचित निर्णय लिया जाए। इस मौके पर श्री अकाल तख्त साहिब के मुख्य ग्रंथी ज्ञानी मलकीत सिंह, मुख्य सचिव कुलवंत सिंह मन्नन, सदस्य जत्थेदार मंगविंदर सिंह खापड़खेड़ी, सदस्य गुरचरण सिंह ग्रेवाल, मनजीत सिंह, सचिव बलविंदर सिंह काहलवां समेत एसजीपीसी के अनेक पदाधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। जून 1984 की घटनाओं पर विशेष प्रदर्शनी

बरसी कार्यक्रम के साथ-साथ जून 1984 की घटनाओं और उस दौरान हुए नुकसान को दशार्ने वाली एक विशेष फोटो प्रदर्शनी भी शुरू की गई है। गुरुद्वारा श्री मंजी साहिब दीवान हाल के बाहर लगाई गई इस प्रदर्शनी में उस समय की दुर्लभ तस्वीरों को प्रदर्शित किया गया है। इनमें श्री अकाल तख्त साहिब को पहुंचे नुकसान और उस दौर की परिस्थितियों को दशार्या गया है।

एसजीपीसी के अनुसार यह प्रदर्शनी 6 जून तक जारी रहेगी। संगत सुबह से शाम तक इसे देख सकेगी और इतिहास के उस महत्वपूर्ण अध्याय से जुड़ी जानकारी प्राप्त कर सकेगी। श्रद्धांजलि समागम को लेकर धार्मिक परिसर में विशेष तैयारियां भी की जा रही हैं और बड़ी संख्या में संगत के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है।

मोहाली के जीरकपुर में मांस से भरा ट्रक पकड़ने का दावा; हिंदू संगठनों का हंगामा, थाने के बाहर प्रदर्शन

जीरकपुर (मोहाली)। जीरकपुर के नगला क्षेत्र में वीरवार को गो रक्षा दल के कार्यकताओं ने एक ट्रक को रोककर उसमें मांस होने का दावा किया। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए और आरोपितों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते थाने के बाहर प्रदर्शन किया। गो रक्षा दल के पदाधिकारियों के अनुसार उन्हें सूचना मिली थी कि एक ट्रक में मांस भरकर ले जाया जा रहा है। सूचना के आधार पर कार्यकताओं ने नगला क्षेत्र में निगरानी रखी और संबंधित ट्रक को रोक लिया। संगठन के सदस्यों का दावा है कि जांच के दौरान ट्रक में बड़ी मात्रा में मांस बरामद हुआ, जिसे उन्होंने गोमांस बताया। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही विभिन्न हिंदू

संगठनों के प्रतिनिधि और कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने ट्रक को पुलिस के हवाले करने के बाद थाने के बाहर प्रदर्शन करते हुए मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि यदि जांच में बरामद मांस गोमांस साबित होता है तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए।जानकारी के अनुसार पकड़ा गया ट्रक जालंधर से जीरकपुर पहुंचा था। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर उसके दस्तावेजों की जांच शुरू कर दी है। साथ ही बरामद मांस के नमूने फोरेंसिक और पशुपालन विभाग की जांच के लिए भेजे गए हैं ताकि यह स्पष्ट हो सके कि मांस किस पशु का है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। ट्रक के मालिक, चालक तथा मांस की सप्लाई से जुड़े लोगों के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकेगा और उसी आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उधर गो रक्षा दल और अन्य हिंदू संगठनों के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई नहीं की गई तो वे आंदोलन को और तेज करेंगे। पुलिस ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील करते हुए कहा है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

पूर्व भारतीय जासूस राणा और परिवार को जान का खतरा; पाकिस्तान खुफिया एजेंसी और आतंकी दे रहे धमकी, मांगी सुरक्षा

चंडीगढ़। पाकिस्तान में देशहित में कई संवेदनशील खुफिया मिशनों को अंजाम दे चुके पूर्व भारतीय जासूस जसविंदर राणा ने अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताते हुए सरकार से तत्काल सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है। उनका आरोप है कि उन्हें पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी और आतंकवादी नेटवर्क से जुड़े तत्वों की ओर से लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। चंडीगढ़ प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए जसविंदर राणा ने कहा कि देश की सेवा के लिए अपनी जान जोखिम में डालने के बावजूद वह वर्ष 2005 से भारत में भय और असुरक्षा के माहौल में जीवन बिताने को मजबूर हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें और उनके परिवार को लगातार सुरक्षा संबंधी खतरे झेलने पड़ रहे हैं तथा पाकिस्तान से कथित तौर पर धमकी भरे फोन भी प्राप्त होते रहे हैं। राणा के अनुसार, वर्ष 2005 में पाकिस्तान में एक अत्यंत संवेदनशील मिशन सफलतापूर्वक पूरा कर भारत लौटने के बाद उनके खिलाफ खतरे और बढ़ गए। उस समय वह मुंबई में रह रहे थे, लेकिन सुरक्षा कारणों से उन्हें मुंबई छोड़कर देश के विभिन्न हिस्सों में रहना पड़ा। वर्ष 2012 से वह पंजाब के होशियारपुर में रह रहे हैं।उन्होंने बताया कि वर्ष 2010 में मुंबई में उनके एक सहयोगी की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद उनकी चिंताएं और बढ़ गईं। उनका कहना है कि इस हत्या ने उन्हें यह विश्वास दिलाया कि उनके खिलाफ खतरे वास्तविक हैं और सुरक्षा एजेंसियों को इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करना चाहिए। जसविंदर राणा ने कहा कि उन्होंने सुरक्षा की मांग को लेकर कई बार विभिन्न सरकारी अधिकारियों और विभागों से संपर्क किया है।

बठिंडा के माइसरखाना मंदिर समेत कई धार्मिक स्थलों को बम थ्रेट, ईमेल के बाद सुरक्षा एजेंसियां हुईं अलर्ट

बठिंडा। पंजाब के कई प्रमुख धार्मिक स्थलों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हो गई हैं। वीरवार को ईमेल के माध्यम से भेजी गई धमकी में बठिंडा जिले के मौड़ मंडी स्थित प्रसिद्ध माता माइसरखाना मंदिर का नाम भी शामिल होने से श्रद्धालुओं और प्रशासन की चिंता बढ़ गई है। सूचना मिलते ही पुलिस, खुफिया एजेंसियों और सुरक्षा बलों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस सूत्रों के अनुसार धमकी भरे ईमेल में 6 जून 1984 का उल्लेख किया गया है। संदेश में कई बार ह्लबदला, बदला, बदलाह्व लिखा गया है। इसके अलावा ईमेल में विस्फोट और आईईडी लगाए जाने का भी जिक्र किया गया है।हालांकि अब तक की जांच और तलाशी अभियान में कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है, लेकिन सुरक्षा एजेंसियां किसी भी तरह का जोखिम लेने के मूड में नहीं हैं।माइसरखाना मंदिर की सुरक्षा कड़ी

धमकी मिलने के बाद माता माइसरखाना मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था को पहले से कहीं अधिक मजबूत कर दिया गया है। मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वारों पर मेटल डिटेक्टर लगाए गए हैं और आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु की जांच की जा रही है। मंदिर परिसर, पार्किंग क्षेत्र और आसपास के संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। अधिकारियों ने सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा कर निगरानी बढ़ाने और हर गतिविधि पर पैनी नजर रखने के निर्देश दिए हैं। वीरवार को पुलिस ने विशेष तलाशी अभियान भी चलाया। ग्रामीण क्षेत्र के उप पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह सरां की अगुआई में थाना कोटफत्ता और थाना मौड़ की पुलिस टीमों ने डॉग स्क्वॉड तथा बम निरोधक दस्ते के साथ मंदिर परिसर और आसपास के इलाकों की गहन जांच की। सुरक्षा कर्मियों ने मंदिर के अंदर और बाहर हर हिस्से की बारीकी से तलाशी ली। कई घंटों तक चले अभियान के दौरान किसी भी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री के मिलने की पुष्टि नहीं हुई। सुरक्षा और साइबर एजेंसियां अब ईमेल भेजने वाले व्यक्ति या समूह तक पहुंचने के प्रयास में जुटी हैं। तकनीकी विशेषज्ञ ईमेल के स्रोत और डिजिटल गतिविधियों की जांच कर रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि धमकी देने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी अफवाह पर विश्वास न करें और शांति बनाए रखें। साथ ही यदि किसी को कोई संदिग्ध वस्तु, व्यक्ति या गतिविधि दिखाई दे तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें। गौरतलब है कि इससे पहले भी बठिंडा के जिला न्यायालय परिसर, रेलवे स्टेशन और कई निजी शिक्षण संस्थानों को ईमेल के माध्यम से बम धमकियां मिल चुकी हैं। जांच के दौरान वे धमकियां झूठी साबित हुई थीं। इसके बावजूद सुरक्षा एजेंसियां इस ताजा मामले को बेहद गंभीरता से ले रही हैं और हर पहलू की गहन जांच कर रही हैं ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते रोका जा सके।

खून की बूंद से बन रहा यादों का गहना, पंजाब में तेजी से बढ़ा डीएनए ज्वेलरी का ट्रेंड; युवाओं में बढ़ा क्रेज

जालंधर। पंजाब में अब रिश्तों और यादों को सहेजने का तरीका बदल रहा है। सोने-चांदी की पारंपरिक ज्वेलरी की जगह अब लोग डीएनए ज्वेलरी को तवज्जो दे रहे हैं। खास बात यह है कि इस ज्वेलरी में अपनों के खून, बाल या दूध के नमूने को ब्लू रेजिन में प्रिजर्व कर लाकेट, अंगूठी और ब्रेसलेट तैयार किए जा रहे हैं। जालंधर के सराफा बाजार के ज्वेलर्स की मानें तो बीते 6-8 महीनों में डीएनए ज्वेलरी के आर्डर में व्यापक स्तर पर इजाफा हुआ है। नवजात के जन्म, शादी की सालगिरह, माता-पिता की याद या किसी अपने के बिछड़ने पर लोग भावनात्मक जुड़ाव के लिए ऐसी ज्वेलरी बनवा रहे हैं।एक ग्राहक ने तो अपने दिवंगत पिता के खून की

बूंद को लाकेट में हमेशा के लिए सहेज लिया है। फिलहाल जालंधर के अलावा लुधियाना और अमृतसर में भी कुछ चुनिंदा ज्वेलर्स ने यह काम शुरू किया है। कारोबारियों को उम्मीद है कि आने वाले त्योहारी सीजन में डीएनए ज्वेलरी की मांग और बढ़ेगी। स्वर्णकार संघ जालंधर के अध्यक्ष दीपक निश्चल ने बताया कि ग्राहक से खून का नमूना लिया जाता है। खून को जमने से बचाने के लिए खास ईडीटीए ट्यूब में रसायनों से ट्रीट किया जाता है। इसके बाद ब्लू रेजिन में उस नमूने को डालकर हाई टेम्प्रेचर पर प्रिजर्व किया जाता है। यह प्रक्रिया पूरी तरह वैज्ञानिक है और नमूना खराब नहीं होता। तैयार जेम को सोने या चांदी की बेस ज्वेलरी में फिट कर दिया जाता है। एक लाकेट तैयार करने में 7 से 10 दिन का समय लगता है। कीमत 8 हजार रुपये से शुरू होकर डिजाइन के हिसाब से तय की है। युवाओं में भारी क्रेज सराफा बाजार के कारोबारी केशव ज्वेलर्स के मालिक वरुण चोपड़ा का कहना है कि पहले लोग फोटो फ्रेम या टैटू से यादों को सहेजते थे, लेकिन अब डीएनए ज्वेलरी नया ट्रेंड बन गया है। खासकर 25 से 40 साल के युवा वर्ग में इसे लेकर क्रेज देखा जा रहा है।

कई एनआरआई परिवार भी विदेश से फोन कर आर्डर बुक करवा रहे हैं। डा. मुनीष मेहता के मुताबिक रेजिन में प्रिजर्व करने के बाद डीएनए का नमूना दशकों तक सुरक्षित रहता है। हालांकि ज्वेलर्स को नमूना लेते समय हाइजीन और मेडिकल प्रोटोकाल का पूरा ध्यान रखना जरूरी होता है। लिहाजा, स्वास्थ्य संबंधी नियमों की पालना करने के बाद इसे लंबे समय तक सुरक्षित रखा जा सकता है।

अमृतसर के दुग्याणा मंदिर को मिली धमकी, ई-मेल में ब्लू स्टॉर ऑपरेशन का जिक्र; सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

अमृतसर। अमृतसर स्थित श्री दुग्याणा मंदिर को धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हो गई हैं। धार्मिक स्थल को निशाना बनाने संबंधी इस संदेश के सामने आने के बाद मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत कर दिया गया है। पुलिस, खुफिया एजेंसियां और साइबर विशेषज्ञ संयुक्त रूप से मामले की जांच कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार मंदिर प्रबंधन और संबंधित अधिकारियों को भेजे गए एक ईमेल में धमकी भरे शब्दों का इस्तेमाल किया गया है। संदेश में 6 जून 1984 का उल्लेख करते हुए कई बार ह्लबदलाह्व शब्द लिखा गया है। साथ ही विस्फोट और आईईडी जैसे शब्दों का भी जिक्र किया गया है। ईमेल मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने इसे

गंभीरता से लेते हुए तुरंत जांच शुरू कर दी।धमकी सामने आने के बाद दुग्याणा मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था में कई अतिरिक्त कदम उठाए गए हैं। मंदिर के सभी प्रमुख प्रवेश द्वारों पर मेटल डिटेक्टर लगाए गए हैं और श्रद्धालुओं की सघन जांच की जा रही है। परिसर में आने-जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति पर निगरानी रखी जा रही है। इसके अलावा मंदिर के अंदर और बाहर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।परिसर की हुई जांच

पुलिस अधिकारियों ने मंदिर परिसर का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। अधिकारियों ने सुरक्षा कर्मियों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। मंदिर परिसर के आसपास संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए निगरानी भी बढ़ा दी गई है। आने वाले दिनों में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए अतिरिक्त उपाय किए जा सकते हैं।सुरक्षा एजेंसियों का मुख्य फोकस अब ईमेल भेजने वाले व्यक्ति या समूह की पहचान करना है। साइबर विशेषज्ञ ईमेल के तकनीकी पहलुओं की जांच कर रहे हैं। यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि संदेश कहां से भेजा गया और इसके पीछे कौन लोग शामिल हो सकते हैं। जांच एजेंसियां डिजिटल साक्ष्यों को खंगाल रही हैं ताकि जल्द से जल्द वास्तविक स्रोत तक पहुंचा जा सके।पुलिस ने अफवाहों से बचने की कही बात

प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और शांति बनाए रखें। अधिकारियों ने कहा है कि सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हैं और किसी भी संभावित खतरे से निपटने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

अमृतसर में कोर्ट हस्ताक्षेप के बाद मजीठिया पर दर्ज एफआईआर हुई सार्वजनिक, थाने में घुसकर आरोपी को छुड़ाने का आरोप

अमृतसर। अकाली दल के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया के खिलाफ दर्ज एफआईआर आखिरकार घटना के चौथे दिन सार्वजनिक कर दी गई। अमृतसर देहात पुलिस ने यह कार्रवाई अदालत के हस्तक्षेप के बाद की। वीरवार को जिला अदालत परिसर में पुलिस द्वारा एफआईआर की प्रति मजीठिया के वकीलों को उपलब्ध करवाई गई, जिसके बाद मामले में लगाए गए आरोपों की जानकारी सामने आई।

पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर में बिक्रम सिंह मजीठिया के अलावा उनके करीबी वकील बिक्रम सिंह बाठ, साहिब हमजा, राजा लदेह और जोद्ध सिंह समरा को भी नामजद किया गया है। इसके अलावा पुलिस पचास से अधिक अन्य लोगों की पहचान करने में जुटी हुई है, जो कथित तौर पर घटना के समय उनके साथ मौजूद थे। एफआईआर के अनुसार यह मामला उस घटना से जुड़ा है, जब रविवार को मजीठिया अपने समर्थकों और सहयोगियों के साथ थाना मजीठा पहुंचे थे। पुलिस का आरोप है कि वह अपने समर्थक जोबनप्रीत सिंह को छुड़ाने के उद्देश्य से थाने पहुंचे थे, जो उस समय पुलिस हिरासत में था और उससे पूछताछ की जा रही थी।एफआईआर में दर्ज आरोपों के अनुसार मजीठिया और उनके साथ आए लोग बिना अनुमति थाना परिसर में दाखिल हुए और उन हिस्सों तक पहुंच गए, जहां आम नागरिकों के प्रवेश की अनुमति नहीं होती। पुलिस का दावा है कि समूह ने थाने के विभिन्न कमरों और अन्य हिस्सों तक जाकर तलाशी जैसी गतिविधियां कीं।पुलिस के रोकने पर पिस्तौल दिखाने का आरोप

पुलिस ने यह भी आरोप लगाया है कि जब ड्यूटी पर तैनात कर्मियों ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो उनके साथ मौजूद एक व्यक्ति ने पिस्तौल निकालकर हवा में लहराई और पुलिसकर्मियों को धमकियां दीं। एफआईआर के मुताबिक इस घटना से थाना परिसर का माहौल तनावपूर्ण और भयपूर्ण हो गया था। मामले में सरकारी कार्य में बाधा डालने, पुलिस की कार्रवाई में हस्तक्षेप करने, आपराधिक बल प्रयोग करने, सरकारी दस्तावेजों को नुकसान पहुंचाने तथा पुलिस हिरासत में मौजूद व्यक्ति को छुड़ाने का प्रयास करने जैसी विभिन्न धाराएं लगाई गई हैं। एफआईआर में यह भी उल्लेख किया गया है कि पूछताछ के दौरान हिरासत में मौजूद जोबनप्रीत सिंह को कथित रूप से

कमरे से बाहर निकालकर मुख्य द्वार तक ले जाया गया था। हालांकि पुलिस के हस्तक्षेप के चलते उसे वहां से ले जाने का प्रयास सफल नहीं हो सका। उधर, इस मामले के सामने आने के बाद राजनीतिक हलकों में भी चर्चा तेज हो गई है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और घटनास्थल पर मौजूद अन्य लोगों की पहचान की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई आगे बढ़ाई जाएगी।

सेहत के लिए काफी फायदेमंद है तेज पत्ता

रसोई में ऐसे कई मसाले हैं जिनका इस्तेमाल बीमारियों में दवा का काम करता है। शुगर से लेकर हाई ब्लड प्रेशर तक को कंट्रोल करने में ये मसाले या पत्ते इस्तेमाल किए जाते हैं। मधुमेह में कई घरेलू नुस्खे असरदार साबित होते हैं। जिनका लगातार इस्तेमाल करने से शरीर में ब्लड शुगर कंट्रोल होने लगता है। ऐसा ही सूखा पत्ता है तेज पत्ता, जिसका इस्तेमाल गरम मसाले में करते हैं। तेज पत्ता काफी खुशबूदार होता है। डायबिटीज के मरीज अगर सुबह खाली पेट तेज पत्ता की चाय बनाकर पीते हैं तो इससे शुगर को कम करने में फायदा मिलता है।

तेज पत्ता को सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। तेज पत्ता में भरपूर एंटी-ऑक्सीडेंट, विटामिन और मिनरल पाए जाते हैं। ये सभी पोषक तत्व डायबिटीज में असरदार साबित होते हैं। तेज पत्ता में आयरन, पोटेशियम, कैल्शियम, सेलेनियम और कॉपर होता है। कुछ दिनों तक नियमित रूप से तेज पत्ता का पानी या चाय पीने से पुरानी से पुरानी डायबिटीज को कम किया जा सकता है।

शुगर में तेजपत्ता के फायदे

आयुर्वेदिक डॉक्टर्स की मानें तो शुगर को कम करने के लिए कई तरह की जड़ी बूटियां हैं जो आपके घर में भी आसानी से मिल जाती हैं। आचार्य बालकृष्ण की मानें तो डायबिटीज में तेज पत्ता काफी फायदेमंद है। कई रिसर्च में भी ये सामने आ चुका है कि डाइट और एक्सरसाइज के साथ कुछ आयुर्वेदिक उपाय करने से शुगर कम होने लगती है। ऐसा करने से इंसुलिन फंक्शन में सुधार आता है।

शुगर में तेज पत्ता की चाय?

तेज पत्ता का इस्तेमाल खाने में तो सभी करते हैं। लेकिन डायबिटीज के मरीज को इसकी चाय या पानी पीना चाहिए। तेज पत्ता की चाय बनाने के लिए 1 तेज पत्ता 1 गिलास पानी में डालकर रातभर के लिए भिगो दें। सुबह इस पानी को उबालकर छानकर पी लें। आप चाहें तो अपनी नॉर्मल दूध वाली चाय में भी तेज पत्ता का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा तेज पत्ता की चाय में थोड़ी दालचीनी, इलायची और तुलसी डालकर भी इसे तैयार कर सकते हैं। नॉर्मली आप सुबह खाली पेट तेज पत्ता का पानी पी सकते हैं। इससे धीरे-धीरे ब्लड शुगर लेवल नॉर्मल होने लगेगा।

इन बीमारियों में फायदा करता है तेज पत्ता

तेज पत्ता न सिर्फ खाने का स्वाद बढ़ाता है बल्कि कई बीमारियों में भी असरदार काम करता है। तेज पत्ता का सेवन करने से पेट की समस्या जैसे कब्ज, एसिडिटी, मरोड़ और दर्द को कम किया जा सकता है। अगर किडनी में स्टोन हो रहे हैं तो तेज पत्ता का पानी पीने से फायदा मिलेगा। जिन लोगों को नींद की समस्या रहती है। वो तेज पत्ता के तेल की कुछ बूंदें पानी में डालकर पी लें। जोड़ों पर तेज पत्ता के तेल से मसाज करना राहत पहुंचाता है।

इन परेशानियों में कारगर है अदरक का सेवन

अदरक का इस्तेमाल सब्जी से लेकर चाय बनाने में किया जाता है। लेकिन यह जड़ वाली सब्जी सेहत के लिए भी बेहद लाभकरी है। इसके सेवन से कई गंभीर बीमारियों से अपना बचाव कर सकते हैं। औषधीय गुणों से भरपूर अदरक सर्दी जुकाम और खांसी के साथ कई गंभीर बीमारियों में भी कारगर है। इसमें मौजूद पोषक तत्व जैसे आयरन, कैल्शियम, आयोडीन, क्लोरीन और विटामिन शरीर को कई बीमारियों से दूर रखते हैं। तो, चलिए जानते हैं अदरक का सेवन कब और कैसे सेवन करना चाहिए?

एसिडिटी : खाना खाने के बाद एसिडिटी और हार्ट बर्न की समस्या है, तो अदरक का सेवन करें। यह बॉडी में जाकर एसिड की मात्रा को कंट्रोल करता है। इसलिए खाना खाने के 10 मिनट बाद एक कप अदरक का जूस पिएं।

मतली और उल्टी को कम करना : हअदरक मतली और उल्टी को कम करने में प्रभावी है। इसका सेवन मतली और मॉर्निंग सिकनेस के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकता है।

पाचन में सुधार : अदरक में जिंजरोल नामक एक बायोएक्टिव यौगिक होता है, जो पाचन एंजाइमों को उत्तेजित करके पाचन में सुधार करने में मदद करता है ।यह गैस, एसिडिटी और पेट फूलने जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में भी मदद करता है।

कमजोर इम्यूनिटी : अदरक में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं और संक्रमण से बचाने में मदद कर सकते हैं।

जोड़ों का दर्द करे दूर : अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो जोड़ों के दर्द को कम करने में मदद करते हैं। इसका सेवन या इसे जोड़ों पर लगाने से सूजन और दर्द कम हो सकता है।

पीरियड के दर्द में असरदार : अदरक, पीरियड के दर्द को कम करने में में मदद करते हैं। इसमें पाए जाने वाले एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण दर्द और ऐंठन को कम करने में मदद करते हैं।

कैसे करें अदरक का सेवन?

अदरक का सेवन तो आमतौर पर चाय में डालकर किया जाता है। लेकिन अगर आप इसका ज्यादा फायदा चाहते हैं तो आप चाय की बजाय इसका पानी पियें। अदरक का पानी बनाने के लिए इसे कद्दूकस कर लें। अब एक गिलास पानी में कद्दूकस किया हुआ अदरक डालकर पानी को छी तरह उबाल लें। अब इस पानी को छानकर चाय की तरह चुस्कियां लेकर पिएं। स्वाद के लिए इस पानी में आप शहद ही मिला सकते हैं।

तुलसी के पत्ते किन बीमारियों में असरदार है

हिन्दू धर्म में तुलसी के पौधे की एक देवी के रूप में पूजा की जाती है। ज्यादातर घरों में आपको तुलसी मिल ही जाएगी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सुबह उठकर तुलसी को जल चढ़ाने से भगवान विष्णु की कृपा बरसती है। तुलसी अपने आप में एक ऐसा पौधा है जो अनगिनत फायदे पहुंचाता है। आयुर्वेद में कई बीमारियों के इलाज में तुलसी का उपयोग किया जाता है। आज हम आपको बताएंगे कि घर में लगी तुलसी का इस्तेमाल कर आप किन बीमारियों से बच सकते हैं।

आचार्य बालकृष्ण की मानें तो तुलसी के पत्तों से कई बीमारियों का इलाज होता है। इसके पत्तों में रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है जो आपको बुखार, दिल से जुड़ी बीमारियां, पेट दर्द, मलेरिया और बैक्टीरियल संक्रमण से बचाते हैं।

दिमाग के लिए फायदेमंद- तुलसी में ऐसे गुण पाए जाते हैं जो दिमाग को शांत करने, कार्य क्षमता बढ़ाने, सिर दर्द, सिर के जूं और लीख से छुटकारा, नाइट ब्लाइंडनेस से आराम दिलाने का काम करते हैं। इसके लिए रोजाना 4- 5 तुलसी के पत्ते पानी के साथ खा लें। सिर में तुलसी के पत्तों का रस भी लगा सकते हैं।

कान और दांत के दर्द में आराम- बच्चों और बड़ों किसी को कान में दर्द हो तो तुलसी के पत्तों का रस डालने से आराम मिलता है। कान के दर्द में तुरंत राहत पाने के लिए तुलसी के 8-10 पत्तों को पीस लें और इससे निकलने वाले रस में से 2 से तीन बूंद कान में डालनी हैं दांत में दर्द हो तुलसी और काली मिर्च चबा लें। इससे फायदा मिलेगा।

पेट की बीमारियों में असरदार तुलसी- अगर आपको डायरिया, पेट की मरोड़, कब्ज, पीलिया, पथरी, डिलीवरी के बाद होने वाले दर्द से झुटकारा पाना है तो तुलसी के पत्तों का सेवन करें। डायरिया और पथरी से बचने के लिए 10 तुलसी की पत्तियां और 1 ग्राम जीरा दोनों को पीसकर शहद में मिलाकर उसका सेवन करें। अपच दूर करने के लिए तुलसी को नमक के साथ पीसकर दिन में 3 से 4 बार लें।

त्वचा के लिए फायदेमंद- आपके फेस को ग्लोइंग बनाने, सफेद दाग, मुंह के छालों, कालापन, कील मुंहासों, फोड़े सभी में तुलसी लाभदायक है। इसके लिए आपको तुलसी के पत्तों को 1 नींबू के साथ मिलाकर लेप बनाना है। इसे चेहरे पर लगा लें और सूखने पर धो लें।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाए- तुलसी मलेरिया, टाइफाइड, बुखार, दाद और खुजली, मासिक धर्म की अनियमितता से बचाती हैं। तुलसी के पत्तों को काली मिर्च के साथ मिक्स करें और काढ़ा बनाकर पीने से मलेरिया, टाइफाइड, बुखार आराम मिलता है। दाद और खुजली के लिए आप इसका लेप बनाकर लगा सकते हैं। मासिक धर्म में आप तुलसी के बीजों का इस्तेमाल कर सकते हैं। रोज तुलसी के पत्तों को खाने से डायबिटीज, कोलेस्ट्रॉल, अस्थमा, जुकाम को कंट्रोल किया जा सकता है।

घाव भरने में मददगार- तुलसी चोट पर भी फायदा करती है। यहां तक की सांप काटने पर भी तुलसी के पत्तों का इस्तेमाल किया जाता है। सांप काटने पर तुलसी की जड़ों को पीसकर सांप के काटने वाली जगह पर लेप लगाते हैं। इससे दर्द से आराम मिलता है। अगर रोगी बेहोश हो गया हो तो तुलसी का रस नाक में लगाया जाता है।

सेहत को चौतरफा फायदे पहुंचाएगा ये फल

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक अनानास में विटामिन सी, विटामिन बी6, मैंगनीज, पोटैशियम, फोलेट और फाइबर समेत कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। यही वजह है कि अनानास को सेहत के लिए वरदान माना जाता है। अगर आप सही मात्रा में और सही तरीके से अनानास का सेवन करते हैं, तो आपकी ओवरऑल हेल्थ पर ढेर सारे पॉजिटिव असर पड़ सकते हैं।

दिल की सेहत को मजबूत बनाए

अनानास आपकी हार्ट हेल्थ को मजबूत बनाने में कारगर साबित हो सकता है। अगर आप दिल से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम करना चाहते हैं, तो आपको पोषक तत्वों से भरपूर अनानास का सेवन करना शुरू कर दीजिए। हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए भी इस फल को कंज्यूम किया जा सकता है।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

अनानास में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपकी गट हेल्थ के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं। पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए आप अनानास का सेवन कर सकते हैं। अगर आप अपनी वेट लॉस जर्नी को आसान बनाना चाहते हैं, तो भी अनानास को अपने डाइट प्लान का हिस्सा बना सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें अनानास खाने से आपकी आंखों की सेहत पर भी पॉजिटिव असर पड़ता है।

मजबूत बनाए इम्यून सिस्टम

अनानास में विटामिन सी की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। यही वजह है कि इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने के लिए अनानास का सेवन करने की सलाह दी जाती है। अगर आप कमजोर इम्यूनिटी की वजह से बार-बार बीमार पड़ जाते हैं, तो आपको पोषक तत्वों से भरपूर अनानास को कंज्यूम करना शुरू कर देना चाहिए। आपको बता दें कि अनानास आपकी सेहत के साथ-साथ आपकी त्वचा के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है।

घर में रखे-रखे सड़-गल जाते हैं केले, ये टिप्स है बड़े काम के, 5-6 दिनों तक फ्रेश बने रहेंगे

घर में अक्सर केले लाए जाते हैं लेकिन ये कुछ ही दिनों में काले पड़ने लगते हैं। केले का जल्दी खराब होना आम समस्या है। इससे ये समझना मुश्किल हो जाता है कि केले को फ्रिज में रखें या बाहर। अगर आप चाहते हैं कि केले लंबे समय तक ताजा रहें, तो कुछ आसान तरीके अपनाए जा सकते हैं। केलों की ताजगी बनाए रखने के लिए सबसे पहले ध्यान रखें कि केले खरीदते वक्त वे बिल्कुल ताजे और बिना किसी काले धब्बे वाले हों। अगर केले कहीं से पिलपिले या ज्यादा मुलायम लग रहे हों, तो उन्हें खरीदना सही नहीं क्योंकि ऐसे केले जल्दी खराब हो जाते हैं।

प्लास्टिक बैग से सावधानी

जिन प्लास्टिक बैग्स में केले लाए जाते हैं, उनमें एथिलिन गैस जमा हो जाती है। यह गैस केले के जल्दी पकने का कारण बनती है। इसलिए केले घर लाते ही उन्हें उस बैग से निकालकर किसी दूसरी जगह रखना चाहिए।

केले की डंडी को कवर करें

केले के गुच्छे की डंडी यानी तने को प्लास्टिक से लपेटने से केला जल्दी नहीं पकता और लंबे समय तक ताजा रहता है। अगर पूरे गुच्छे को ढकने की बजाय, केले के तनों को अलग-अलग कवर किया जाए, तो भी केले जल्दी खराब नहीं होते।

अन्य फलों से दूर रखें

केले और अन्य फल जैसे आम, अमरुद, सेब आदि में भी एथिलिन गैस निकलती है। अगर केले को इन फलों के साथ रखा जाए, तो केला जल्दी पकने लगता है। इसलिए केले को अन्य फलों से अलग रखना चाहिए ताकि उनकी ताजगी बनी रहे।

केले को कमरे के तापमान पर रखें

केलों को फ्रिज में रखने से बेहतर है कि उन्हें कमरे के सामान्य तापमान पर ही रखा जाए। केले को उल्टा (टिप-ओवर) करके किसी कटोरे या बाउल में रखें ताकि वे आसानी से सांस ले सकें और खराब न हों।

केले को हवा लगती रहे

केले को एक-दूसरे के ऊपर दबाकर रखने की बजाय ऐसे रखें कि उनपर हवा लगती रहे। इससे उनके जल्दी खराब होने की संभावना कम हो जाती है।

केले को हुक से टांगें

अगर संभव हो तो केले को हुक पर टांगकर रखें। इससे केले के सभी हिस्सों को हवा मिलती रहती है और वे ज्यादा दिनों तक ताजा रहते हैं।

पक चुके केले फ्रिज में रखें

अगर केले पहले से ही पक चुके हों और ज्यादा दिनों तक ताजा रखना हो, तो उन्हें फ्रिज में रखा जा सकता है। फ्रिज की ठंडी हवा में केला ज्यादा समय तक खराब नहीं होता।

केले जल्दी खराब होने की समस्या से बचने के लिए सही तरीके अपनाना जरूरी है। इन तरीकों को अपनाकर आप केले को खराब होने से बचा सकते हैं और उन्हें लंबे समय तक इस्तेमाल कर सकते हैं।

'डॉन 3' विवाद के बीच रणवीर ने फरहान को दिया साथ काम करने का ऑफर

रणवीर सिंह इन दिनों फरहान अख्तर के साथ अपने 'डॉन 3' से जुड़े विवाद को लेकर चर्चाओं में हैं। इस विवाद के चलते ही फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने रणवीर सिंह पर बैन लगा दिया है। लेकिन अब ऐसी जानकारी सामने आ रही है कि रणवीर ने फरहान अख्तर से अपने संबंध सुधारने के लिए संपर्क किया है। यही नहीं उन्होंने फरहान के साथ काम करने की इच्छा भी जताई है।

रणवीर ने दिया साथ काम करने का प्रस्ताव

एक रिपोर्ट के अनुसार, विवाद को सुलझाने के लिए रणवीर ने फरहान से बात की और भविष्य में किसी प्रोजेक्ट पर साथ काम करने की इच्छा जताई। हालांकि, फिलहाल न तो फरहान और न ही उनकी बहन जोया अख्तर रणवीर के साथ काम करने में रुचि रखते हैं। एक सूत्र ने बताया, 'रणवीर ने फरहान और रणवीर द्वारा आपसी सहमति से चुनी गई एक और फिल्म का प्रस्ताव रखा। रणवीर ने फरहान की बहन जोया अख्तर के साथ भी फिल्म करने का प्रस्ताव रखा, जिनके साथ उन्होंने पहले गली बॉय में काम किया है। यह प्रस्ताव फरहान और उनके प्रोडक्शन पार्टनर रितेश सिधवानी दोनों को दिया गया था, लेकिन दोनों ने तुरंत इसे ठुकरा दिया।'

सलमान खान ने भी किया मामले को सुलझाने के लिए हस्तक्षेप

करीबी सूत्र ने यह भी दावा किया कि न तो फरहान और न ही जोया रणवीर के साथ दोबारा काम करना चाहते हैं। यह खबर उस दिन के एक दिन बाद आई है जब यह पता चला था कि सलमान खान ने भी रणवीर और फरहान की सुलह कराने का प्रयास किया है। खबरों के मुताबिक, सलमान ने हाल ही में दोनों पक्षों से बात की और उनसे शांति से अपने मुद्दों को सुलझाने की अपील की है।

विक्रम की फिल्म में फैशन फोटोग्राफर बनीं सैयामी खेर

सैयामी खेर की आगामी रोमांटिक ड्रामा फिल्म से उनका पहला लुक जारी कर दिया गया है, जिसके बाद से फिल्म को लेकर चर्चा तेज हो गई है। इस फिल्म का निर्देशन विक्रम फडणिस कर रहे हैं। हालांकि अभी तक फिल्म के टाइटल का आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है, लेकिन सामने आए पोस्टर ने दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी है। जारी लुक में सैयामी प्रोफेशनल कैमरा थामे नजर आ रही हैं। फिल्म में वह एक फैशन फोटोग्राफर की भूमिका निभाती दिखाई देंगी। सैयामी ने फिल्म को लेकर कहा कि जैसे ही विक्रम ने उन्हें कहानी सुनाई, उन्होंने तुरंत इस प्रोजेक्ट के लिए हामी भर दी। अभिनेत्री के मुताबिक, उनके जैसे कलाकारों को अक्सर इतने मजबूत और गहराई वाले किरदार निभाने का मौका नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि वह खुद को बेहद खुशकिस्मत मानती हैं कि उन्हें इस तरह की चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं मिल रही हैं। फिल्म में ताहिर राज भसीन और विनीत कुमार सिंह भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग हाल ही में पूरी की गई है।

ऑडिशन के वक्त लाइन में लगने से नहीं शर्माती राधिका मदान

राधिका मदान इन दिनों अपनी हालिया रिलीज 'सूबेदार' में शानदार परफॉर्मेंस के लिए खूब तारीफें बटोर रही हैं। अब वह शकुन बत्रा की 'लस्ट स्टोरीज 3' के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जिसमें वह अली फजल के साथ नजर आएंगी।

'लस्ट स्टोरीज 3' के लिए दिया ऑडिशन

बातचीत में राधिका ने कहा, 'मैं शकुन बत्रा के काम की बहुत बड़ी फैन रही हूं। जब मुझे इस फिल्म के बारे में पता चला, तो मैंने 'लस्ट स्टोरीज 3' के लिए ऑडिशन देने की रिक्वेस्ट की। भगवान की कृपा से मुझे यह मौका मिल गया।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं एक औसत परफॉर्मेंस देने का रिस्क नहीं ले सकती। हर रोल के लिए बहुत लोग लाइन में खड़े होते हैं। अगर मैं अच्छा नहीं करूंगी, तो कोई मुझे दूसरा मौका नहीं देगा। मेरे लिए हर काम 'करो या मरो' जैसा होता है। अगर मुझे इस इंडस्ट्री में टिकना है, तो मुझे हर बार बेस्ट देना होगा।'

मेरे अंदर कोई ईगो नहीं है

राधिका ने अपने स्ट्रगल के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, 'मैं लाइन में खड़ी रही हूं, बहुत मेहनत की है। आज भी अगर कोई ऐसा प्रोजेक्ट होता है जहां लोग मुझे कास्ट करने के बारे में नहीं सोचते, तो मैं खुद ऑडिशन मांगती हूं और मुझे इसमें कोई झिझक नहीं होती। मेरे अंदर कोई ईगो नहीं है।'

सपनों के लिए कुछ भी करने को तैयार हूं

उन्होंने आगे कहा, 'मुझे सबसे ज्यादा दिक्कत तब होती है जब मुझे ऑडिशन का मौका ही नहीं मिलता और सिर्फ मेरे सरनेम की वजह से मुझे रिजेक्ट कर दिया जाता है। अगर मैं ऑडिशन देकर रिजेक्ट होती हूं, तो मुझे सुकून मिलता है क्योंकि मुझे पता होता है कि मैंने अपना 100% दिया। अगर मुझे फिर से लाइन में लगना पड़े, तो भी मुझे कोई शर्म नहीं है। मैं एक एक्टर हूं और अपने सपनों के लिए कुछ भी करने को तैयार हूं।'

इंडियाज गॉट लेटेंट 2 के पहले एपिसोड में दिखेंगी आलिया-शरवरी!

समय रैना इन दिनों अपने शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के लिए सुर्खियों में हैं। हाल ही में इससे जुड़ी एक फोटो भी वायरल हुई थी, जिसमें गेस्ट के तौर पर आलिया भट्ट नजर आ रही थीं। अब शो को लेकर और भी बातें सामने आई हैं।

पहले एपिसोड में नजर आएंगी आलिया शरवरी!

हाल ही में 'इंडियाज गॉट लेटेंट' सीजन 2 से जुड़ा एक फोटो काफी वायरल हो रहा था, जिसमें आलिया भट्ट नजर आ रहीं थीं। इस फोटो को जिसने पोस्ट किया था, उन्होंने हाल ही में शो को लेकर और भी कई खुलासे किए हैं।

एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया कि फोटो वायरल होने के बाद समय रैना ने उन्हें मैसेज कर 'शेम' लिखा था। गेस्ट को लेकर पूछे गए सवाल पर फैन ने इस बात को कन्फर्म किया कि आलिया भट्ट और शरवरी पहले एपिसोड में नजर आने वाली हैं। उन्होंने आगे कहा कि शो में इस बार ये बदलाव देखने को मिल सकता है कि ज्यादातर गेस्ट बॉलीवुड से जुड़े होंगे। उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी, क्योंकि वो ज्यादा फेमस हैं। साथ ही उन्होंने शो के दौरान समय के व्यवहार को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि पहले सीजन में हुए विवाद के चलते इस सीजन में समय काफी नर्वस दिखाई दिए। समय रैना ने हाल ही में अपने शो स्टिल अलाइव के दौरान ऐलान किया कि उनका पॉपुलर रोस्ट-स्टाइल टैलेंट शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' जल्द वापसी करने वाला है। खबरें हैं कि पहले एपिसोड में एक्ट्रेस आलिया भट्ट और शरवरी नजर आ सकती हैं।

अभिनेता के रूप में हर बार किरदार में कुछ नया लाने की कोशिश करता हूं

अभिनेता सैफ अली खान इन दिनों अपनी अपकमिंग नेटफ्लिक्स की फिल्म 'कर्तव्य' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच प्रमोशन में व्यस्त अभिनेता ने बताया कि मैं खुद को बहुत ज्यादा सीरियसली नहीं लेता। बातचीत में सैफ अपनी 25 साल पुरानी वायरल लाइन 'मैं गिटार खेलता हूं' पर न केवल प्रतिक्रिया दी बल्कि क्लिप को बेहद मजेदार भी बताया। इंटरव्यू के दौरान जब उनके को-स्टार रसिका दुग्गल और मनीष चौधरी से पूछा गया कि सैफ सेट पर भी वन-लाइनर्स देते हैं या नहीं तो रसिका ने उनकी कॉमिक टाइमिंग की तारीफ करते हुए कहा, 'हर समय! वह हर समय खूब मस्ती करने वाले एक्टर्स में से हैं।'

इस पर सैफ ने कहा, 'मैं खुद को बहुत ज्यादा सीरियसली नहीं लेता। एक बार जब सीन ठीक से कर लेते हैं, उसके बाद थोड़ी मस्ती भी कर सकते हैं।' बातचीत के दौरान उन्हें दूरदर्शन पर दिए गए लगभग 25 साल पुराने इंटरव्यू की याद दिलाई गई, जिसमें वह कहते सुनाई देते हैं- 'मैं गिटार खेलता हूं।' यह क्लिप आज भी सोशल मीडिया पर बार-बार वायरल होती रहती है।

इस पर सैफ ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, 'मैंने वह क्लिप देखी है। वह मजेदार है, बहुत ही ज्यादा मजेदार। उस क्लिप में हर तरह की चीजें हैं।'

उन्होंने आगे कहा कि उस इंटरव्यू में कई ऐसी बातें हैं जो अब गैरकानूनी मानी जाएंगी और शायद उस समय भी गैरकानूनी रही होंगी। उसी पुराने इंटरव्यू में सैफ ने अपनी पसंदीदा अभिनेत्रियों मधुबाला और जीनत अमान की तुलना भी की थी। इस पर सैफ ने कहा, ' उनके बीच के अंतर के साथ... मुझे नहीं पता कि वह अंतर क्या था। यह बहुत ही अजीब बात है।' 'कर्तव्य' फिल्म के प्रमोशन में सैफ ने अपने काम के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि आजकल क्राइम ड्रामा बहुत ज्यादा हैं, लेकिन एक अभिनेता के रूप में वह हर बार किरदार में कुछ नया लाने की कोशिश करते हैं। सैफ ने बताया, 'मेरे लिए असली बात यह है कि आप उस इंसान का किरदार निभाएं, न कि सिर्फ पुलिसवाले का। हर इंसान अलग होता है।' उन्होंने यह भी कहा कि अगर वही काम दोबारा करना पड़े तो निर्देशक और निर्माता मिलकर अलग माहौल तैयार करते हैं।

बॉबी देओल के साथ रिश्ते पर पूजा भट्ट ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड एक्टर बॉबी देओल और तान्या देओल की शादी 30 मई 1996 को हुई थी। फिलहाल दोनों खुशहाल जीवन बिता रहे हैं। लेकिन एक वक्त था, जब बॉबी देओल और पूजा भट्ट के रिलेशनशिप की चर्चा काफी होती थीं। अब हाल ही में पूजा भट्ट ने इस मामले पर चुप्पी तोड़कर बड़ा बयान दिया है।

पूजा भट्ट ने किए चौंकाने वाले खुलासे

बातचीत में पूजा ने कई खुलासे किए। जब उनसे पूछा गया कि क्या वे और बॉबी प्यार में थे, तो उन्होंने कहा- 'बिल्कुल। ऐसा क्या है जिससे प्यार न हो?' अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए पूजा ने कहा, 'वो मेरी जिंदगी का एक बहुत ही खास और खूबसूरत समय था, और वो एक बहुत ही अच्छे इंसान थे जिनके साथ रहना अच्छा लगता था।'

ब्रेकअप की वजह बताने से किया इनकार

पूजा ने बताया कि समय के साथ वह और बॉबी अलग-अलग दिशाओं में आगे बढ़ गए। उन्होंने अपने ब्रेकअप की वजह बताने से साफ इनकार कर दिया। उनका कहना था कि किसी पुराने रिश्ते को आज के समय में सार्वजनिक रूप से तोड़ना-समझाना सही नहीं है, खासकर जब बॉबी आज अपनी फैमिली और करियर में आगे बढ़ चुके हैं।

हमने कभी इसे छुपाया नहीं

उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि आज बैठकर यह बात करना ठीक होगा कि हमारा रिश्ता क्यों खत्म हुआ या कैसा था... वो था। हमने कभी इसे छुपाया नहीं। आज वो शादीशुदा हैं, बड़े बच्चों के पिता हैं और उनके करियर में एक नया शानदार दौर चल रहा है। मुझे 'एनिमल' में उनका काम बहुत पसंद आया। मेरे लिए तो उन्होंने फिल्म में जान डाल दी। मैं उनके लिए बहुत खुश हूं।'

रिश्ते को छोटा या हल्का नहीं बनाना चाहतीं

पूजा ने आगे कहा कि वह अपने पुराने रिश्ते को छोटा या हल्का नहीं बनाना चाहतीं, इसलिए यह बताना जरूरी नहीं है कि वह क्यों नहीं चला। उन्होंने कहा, 'किसी के साथ बिताया हुआ समय बहुत मायने रखता है... हर चीज को 'क्यों नहीं चला' में बदलना जरूरी नहीं होता। वो चला, जब तक चला। बस। अपने आज और अपने साथ जुड़े लोगों के लिए गरिमा और सम्मान बनाए रखना बहुत जरूरी है।'

बॉबी देओल और पूजा भट्ट की पर्सनल लाइफ

बॉबी देओल ने 1996 में तान्या देओल से शादी की थी। उनके दो बेटे हैं- आर्यमान देओल और धरम देओल। वहीं पूजा भट्ट ने 2003 में मनीष माखीजा से शादी की थी, लेकिन 11 साल बाद दोनों अलग हो गए।

इस फिल्म में नजर आएंगे बॉबी

बॉबी देओल आने वाले समय में 'बंदर' फिल्म में नजर आएंगे। अनुराग कश्यप निर्देशन 'बंदर' की कहानी सुदीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी ने लिखी है। निखिल द्विवेदी इसके प्रोड्यूसर हैं। इस फिल्म में बॉबी देओल के अलावा सान्या मल्होत्रा, सपना पब्बी, सबा आजाद, इंद्रजीत सुकुमारन, जितेंद्र जोशी, राज बी. शेट्टी और नागेश भोंसले जैसे एक्टर्स भी नजर आएंगे। 'बंदर' 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।